PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 06 ● भिलाई, सोमवार 20 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आमिर खान को धमकी मिलने की खबर, पुलिस ने शिकायत मिलने से किया इनकार

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहे हैं और आमिर खान जैसे लोग जो 'लव जिहाद' के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। पोस्ट में आगे लिखा, उन्हें (आमिर खान) बहुत जल्द जवाब दिया जाएगा।

राम मंदिर निर्माण किसी सरकार या दल की उपलब्धि नहीं

अयोध्या। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या दौरे के दौरान राम जन्मभूमि, सनातन धर्म, गौ संरक्षण और अपनी गविष्टि यात्रा को लेकर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल एक प्राचीन नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की आधारभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म को व्यावहारिक स्वरूप दिया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या ने न केवल दुनिया को दिशा दिखाई, बल्कि सनातन धर्म को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रूप में धर्म ने जब अवतार लिया तो अयोध्या को अपनी जन्मभूमि के रूप में चुना। उनके अनुसार, यह वही स्थान है जहां धर्म का साकार स्वरूप प्रकट हुआ और यहीं से उसका विस्तार चारों दिशाओं में हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण सात मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या को प्रथम स्थान प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के प्रभाव के कारण राम जन्मभूमि एक समय लुप्त हो गई थी।

राम मंदिर दान मामले में 20 जुलाई को होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित राम मंदिर निर्माण के लिए प्राप्त दान राशि में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। इस मामले में शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ विभिन्न याचिकाओं पर एक साथ विचार करेगी। इससे पहले अदालत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्टेटस रिपोर्ट और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांग चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की कार्यसूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

जम्मू-कश्मीर में बारिश बनी काल

11 की मौत और कई लोग लापता-शाह ने मांगी रिपोर्ट

जम्मू/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। पुंछ जिले में रविवार तड़के अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है। प्रशासन, सेना, पुलिस और आपदा राहत दल प्रभावित इलाकों में युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चला रहे हैं। सबसे अधिक प्रभावित सुरनकोट तहसील में कई मकान ढह गए। नूनाबंदी गांव में घर गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई, जबकि उनके पति और तीन बच्चे घायल हो गए। लोअर मुर्रा में भूस्खलन के बाद एक परिवार के छह सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। वहीं सांगला गांव में अचानक आई बाढ़ से एक ही परिवार के चार लोग लापता हो गए हैं। राजौरी जिले में रातभर हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। रियासी जिले में सलाल बांध के सभी गेट खोलने पड़े, जिससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और नदी से दूर रहने की सलाह दी है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पुंछ और राजौरी की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि सभी विभाग हाई अलर्ट पर हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली का अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर जम्मू लौटने का फैसला किया है ताकि वह प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले सकें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बात कर हालात की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। खराब मौसम और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने अमरनाथ यात्रा को पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। वहीं कटरा और त्रिकुटा पहाड़ियों में प्रतिकूल मौसम के कारण माता वैष्णो देवी यात्रा भी एहतियातन अस्थायी रूप से रोक दी गई है। बाढ़ का सबसे घातक प्रभाव पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में देखने को मिला है, जहां खराब मौसम और फ्लैश फ्लड के कारण 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। राजौरी में भी बाढ़ की चपेट में आने से एक महिला ने दम तोड़ दिया। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, कई रिहायशी इलाकों में पानी भर जाने से लोग फंस गए थे। राजौरी जिले में बाढ़ का मंजर बेहद खौफनाक रहा। तड़के करीब 3 बजे आई बाढ़ ने बेला बस स्टैंड के निचले इलाके को पूरी तरह जलमग्न कर दिया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, देखते ही देखते 200 से 250 कारें पानी के तेज बहाव में बह गईं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कारों को खिलौनों की तरह बहते हुए देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब बस स्टैंड का कोई निशान तक बाकी नहीं बचा है और दो मकान भी पूरी तरह ढह गए हैं।

नागालैंड में भीषण लैंडस्लाइड, 4 की मौत, कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका

नगालैंड के मोन जिले से एक बेहद दुखद खबर आ रही है। आज इलाके में हुई मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद एक भीषण लैंडस्लाइड (भूस्खलन) हुआ है, जिसमें बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की आशंका है। मलबे से अब तक चार शव बाहर निकाले जा चुके हैं। पहाड़ खिसकने से इलाके के कई घर मलबे में तब्दील हो गए हैं, जिसके नीचे कई लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मोन जिले के डिप्टी कमिश्नर वैन्येई कोन्याक ने फोन पर बताया, आठ लोगों के मारे जाने की आशंका है। हमारी टीम मलबे से अब तक चार शवों को बाहर निकालने में कामयाब रही है। लापता लोगों की तलाश के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लैंडस्लाइड के बाद पहाड़ी से भारी मात्रा में पानी नीचे की तरफ बहकर आ रहा है, जिसकी वजह से मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने में रेस्क्यू टीमों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय मौके पर स्थानीय वालंटियर्स, पुलिस, भारतीय सेना के जवान और स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीम मुस्तैद है। नगालैंड सरकार ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्य के कई हिस्सों में मौसम के इस खतरनाक रूप और उससे बिगड़े हालातों पर पैनी नजर रखी जा रही है। सिर्फ मोन जिला ही नहीं, बल्कि मोकोकचुंग जिले के तुली सब-डिवीजन समेत कई अन्य इलाके भी इस आसमानी आपदा की चपेट में हैं।

टीएमसी सांसद को हाई कोर्ट से राहत

अभिषेक बनर्जी के ऑफिस पर बुलडोजर चलाने से रोक

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को रविवार को कोलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दक्षिण 24 परगना जिले में डायमंड हार्बर संसदीय क्षेत्र वाली पार्टी ऑफिस को ध्वस्तीकरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। रविवार को विशेष सुनवाई के दौरान जस्टिस राजा बसु चौधरी ने बंगाल सरकार को अभिषेक बनर्जी के आमतला स्थित ऑफिस से संबंधित सभी दस्तावेज को कोर्ट में पेश करने का निर्देश भी दिया है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई किए गए भवन को लीप्स एंड बाउंड्स कंपनी के स्वामित्व वाला बताया जा रहा है। एक अन्य मामले में ईडी ने दावा किया है कि अभिषेक बनर्जी इस कंपनी के सीईओ हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को डायमंड हार्बर रोड स्थित इस भवन पर जुलाई माह के अंत तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि तब तक इस भवन में किसी भी प्रकार का तोड़फोड़ न किया जाए। अब नियमित पीठ के सामने मामले की अगली सुनवाई होगी। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिला प्रशासन ने एक दिन पहले ही शनिवार को इस भवन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की थी। प्रशासन की यह कार्रवाई बिना स्वीकृत नक्शे के भवन बनाने और निर्माण में नियमों का उल्लंघन के आरोप में की गई थी।

मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन ने मेडिकल कॉलेज खोलने से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत अब कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कोई भी कंपनी मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकेगी। इससे पहले यह अनुमति केवल सेक्शन-8 (गैर-लाभकारी) कंपनियों तक सीमित थी। अब तक केवल गैर-लाभकारी संस्थाओं को ही मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति थी। सेक्शन-8 कंपनियां अपने लाभ को संस्थान के विकास या सामाजिक कार्यों में ही खर्च कर सकती थीं।

शिंदे गुट में सांसदों के विलय पर भड़के

ये लोग सीरियल किलर और बलात्कारी-संजय..

नई दिल्ली। शिवसेना के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में विलय को लोकसभा अध्यक्ष की मंजूरी मिल गई है। इसे लेकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि यह कदम लोकतंत्र का बलात्कार और हत्या करने जैसा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता राउत ने बिना किसी का नाम लिए कहा, 'शिवसेना (यूबीटी) के जलती हुई मशाल चुनाव चिह्न पर चुने गए सांसदों को खरीद लिया गया। यह लोकतंत्र का बलात्कार और हत्या है और यह एक गंभीर अपराध है। ये लोग सीरियल किलर और बलात्कारी हैं।'संजय राउत ने सवाल किया कि जब संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत किसी गुट के अलग होने या विलय की इजाजत नहीं है, तो लोकसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति कैसे दी।

अस्पताल से सोनम वांगचुक का देश के नाम संदेश

कहा-20 जुलाई, आजादी का दूसरा आंदोलन प्लीज

नई दिल्ली/ एजेंसी

सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में भर्ती हैं। 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के होने 'चलो संसद' मार्च को लेकर सोनम वांगचुक ने अस्पताल से देश के नाम संदेश दिया है। सोनम वांगचुक ने अपनी पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो के जरिए यह संदेश भेजा है। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- 20 जुलाईज आजादी का दूसरा आंदोलनज भय मुक्त भारत, अन्याय मुक्त भारत। उन्होंने आगे लिखा, अन्याय से आजादी (जैसे पेपर लीक), डर से आजादी जैसे (मेरी गैर-कानूनी हिरासत), भारत का दूसरा आजादी का आंदोलन, संसद तक मार्च प्लीज इसे बड़ी कामयाबी दिलाएं। पोस्ट के आखिर में लिखा, सफ्दरजंग में मेरी अवैध हिरासत से गीतांजलि के जरिए संदेश भेजा गया। बता दें कि 18 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया था। सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को समर्थन देते हुए पिछले 20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे हुए थे। अब सोनम वांगचुक ने देश के नाम अपना संदेश साझा किया है। शनिवार को सोनम वांगचुक को अस्पताल भेजे जाने के बाद उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मों सफ्दरजंग अस्पताल पहुंची थी।

सलमान खान ने किया एसआरए के नए आईटी सेंटर का उद्घाटन

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एसआरए के आधुनिक डेटा कलेक्शन एंड वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा डिजिटल प्रशासन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। माना जा रहा है कि इससे एसआरए की ई-गवर्नेंस पहल को नई मजबूती मिलेगी। सलमान खान ने झुग्गी पुनर्वास योजना के लाभार्थियों को उनके स्थायी घरों की चाबियां भी सौंपीं। चाबियां मिलने के बाद लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी।

राहुल गांधी और खरगे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी

राम मंदिर ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई से होगी। उससे पहले विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और घेरने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इसी के तहत राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। साथ ही प्रधानमंत्री की पूरे मामले में चुप्पी पर सवाल उठाते हुए बड़ी मांग कर डाली है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी के मामले में उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने पूरे मामले की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने तथा ट्रस्ट के सभी वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था से जुड़ा यह मामला बेहद गंभीर है। उन्होंने लिखा कि इस तरह के गंभीर आरोपों के बावजूद प्रधानमंत्री की चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। पत्र में कहा गया कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जवाबदेही तय करे और देश के सामने सच्चाई रखे। कांग्रेस नेताओं ने पत्र में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का भी उल्लेख किया है।

सर्वदलीय बैठक में पहुंचे बागी सांसद

भड़के विपक्ष ने किया वॉकआउट...सत्र से पहले ही हंगामा

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले ही हंगामे के आसार दिखने लगे हैं। रविवार को केंद्र की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से विपक्ष के सांसदों ने वॉकआउट कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में टीएमसी और शिवसेना के बागी सांसदों को बुलाए जाने पर विपक्षी सांसद नाराज हो गए और वे बैठक छोड़कर चले गए। मॉनसून सत्र में वैधानिक एजेंडे पर बात करने के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। बाद में बताया गया कि थोड़ी देर बाद विपक्ष के कई सांसद वापस लौटे और सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्ष ने तृणमूल और शिवसेना (उबाठा) के बागी सांसदों पर स्पीकर के फैसले के विरोध में सर्वदलीय बैठक से बहिर्गमन का फैसला किया गया है। वहीं सीपीएम नेता जॉन ब्रिटास ने कहा कि बागी तृणमूल सांसदों को सर्वदलीय बैठक में बुलाकर न्याय का उपहास किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना के छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी। साथ ही, एक कम चर्चित राजनीतिक दल 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के लिए लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था को भी स्वीकृति प्रदान की। शिवसेनासांसद अरविंद सावंत ने कहा कि पार्टी से बगावत करने वाले सभी सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। गौरतलब है कि मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और इसके 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले होने वाली इस बैठक में सरकार आमतौर पर अपने विधायी कार्यक्रम की जानकारी देती है और सभी दलों से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग का आग्रह करती है। शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत ने कहा, संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि पार्टी बदलने वाले 6 सांसदों को मान्यता दी जाए। यह गैरकानूनी है और इसलीए हम इसका विरोध करते हैं।टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, किस आधार पर बागी सांसदों को संसदीय कार्य मंत्री ने बुलाया है। जबकि टीएमसी की संख्या अब भी 28 ही दिखाई जा रही है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

किरण रिजिजू का पहला बयान, कल पेश होगा वंदे मातरम् बिल

संसद के मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक खत्म हो गई है। इस बैठक के खत्म होते ही केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि, अच्छे माहौल में यह बैठक हुई। सभी ने इस बैठक में अपनी बात रखी। संसदीय कार्य मंत्री ने बैठक के बाद मिडिया को दिए अपने पहले बयान में कहा कि, सरकार विपक्ष के सभी मुद्दों को सत्र के दौरान सुनेगी। इसके अलावा बागी सांसदों को बैठक में बुलाये जाने को लेकर उन्होंने कहा कि, नियमों के मुताबिक ही उन्हें बुलाया गया है। बता दें कि, रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान किरण रिजिजू ने सभी राजनीतिक दलों से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की।

सड़क हादसों पर लगेगी लगाम : घुमंतू मवेशियों को पहनाया जाएगा रेडियम बेल्ट

जनभागीदारी व प्रशासन के समन्वय से होगा घूमन्तु मवेशियों का प्रबंधन, मावेशियों को खुला छोड़ने पर लगेगा जुर्माना

बलौदाबाजार। जिले में सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और उनके बेहतर प्रबंधन के लिए प्रशासन ने एक बड़ी पहल शुरू की है। जिले के लगभग 25649 घूमंतू मवेशियों को अब रेडियम बेल्ट पहनाया जाएगा, जिससे रात के अंधेरे में भी वाहन चालकों को ये पशु दूर से दिखाई दे सकें। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित घूमंतू पशु प्रबंधन की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि घूमंतू मवेशियों के कारण सड़क दुर्घटना, आवागमन अवरोध, जनहानि, खरीफ सीजन में धान फसल की क्षति होती है। इसके साथ ही विभिन्न संचारी रोग का प्रसार और स्वच्छता भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि घूमंतू पशुओं का प्रबंधन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और गौशालाओं का सहयोग लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत चरवाहा और 3 -4 सक्रिय युवाओ को मानदेय देकर रखें जो सडक से मवेशियों को हटाने का कार्य करेंगे।शासन की गौधाम योजना अंतर्गत संचालित सुरभि गौधाम एवं गौशाला में क्षमता अनुसार घुमन्तू मवेशियों को रखा जाए। कलेक्टर ने छुट्टा मवेशियों के बंध्याकरण के लिये अभियान चलाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय निकायों में भी सड़कों पर आवारा मवेशी विचरण न करें इसकी पुख्ता व्यवस्था हो।

लापरवाह पशु मालिकों पर कसेगा शिकंजा,लगेगा जुर्माना

समीक्षा बैठक के दौरान आवारा पशुओं की समस्या के मूल कारण पर भी सख्त रुख अपनाया गया। अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि जो पशु मालिक अपने मवेशियों को दूध निकालने के बाद या जानबूझकर सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं, अब उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सड़कों पर मवेशी खुला छोड़ने वाले पशु मालिकों की पहचान कर उन पर जुर्माना लगाया जाए।

दुर्घटना में मृत गौवंश का होगा ससम्मान दफन

सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर गौवंश का पूरे सम्मान के साथ दफ़न की प्रक्रिया पूरी करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि सडक दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृत गौवंश को उठाने जेसीबी की व्यवस्था से लेकर उपयुक्त तरीके से दफनाने की व्यवस्था जनपद पंचायत को करनी होगी।उन्होंने पशु चिकत्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौवंश के बीमार होने या दुर्घटना की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचे और जरुरी उपचार करें। इस दौरान सरपंच, गौधाम एवं गौशाला संचालकों ने भी घूमनतू मवेशियों के प्रबंधन के सम्बन्ध में जरुरी सुझाव दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुदिव्या अग्रवाल, उप संचालक पशु चिकत्सा सेवाएं डॉ.नरेंद्र सिंह सहित जनपद सीईओ, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सरपंच, सचिव, गौशाला संचालक उपस्थित थे।

जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजा राजमहल मैदान

सरायपाली। राजमहल मैदान में महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा हर्षोल्लास के साथ श्रद्धालुओं के अपार जन समूह के बीच जय जगन्नाथ उद्घोष करते हुए निकाली गई। श्री मंदिर से बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा व प्रभु जगन्नाथ को मंत्रोच्चार के साथ रथ पर आरुढ़ किया गया। इस दौरान भक्तों के अपार जनसमूह से भरा दिखाई दिया। इसी प्रकार श्री राम मंदिर थाना चौक से भी भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा पर सरायपाली नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे नगर में जय जगन्नाथ के जयघोष से वातावरण गूंज उठा और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। भव्य रथयात्रा पारंपरिक गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच निकाली गई। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव से भगवान के रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होकर आस्था और उत्साह का परिचय दिया। रथयात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा प्रसाद का वितरण किया। नगर का पूरा वातावरण धार्मिक उल्लास से सराबोर रहा। रथयात्रा पर्व ने सरायपाली में धार्मिक एकता, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक समरसता का अदभुत संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ से क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

एकलव्य आवासीय विद्यालय पथरीडीह के 12 विद्यार्थियों ने नीट क्वालिफाई किया

धमतरी। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रतिस्पर्धी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित शासन की महत्वाकांक्षी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय योजना सार्थक परिणाम दे रही है।

धमतरी जिले के नगरी विकासखंड स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, पथरीडीह ने वर्ष नीट-2026 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर जिले को गौरवान्वित किया है। वनांचल के इस आवासीय विद्यालय से इस वर्ष 24 विद्यार्थियों ने नीट-2026 परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 12 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता प्राप्त की है। इन विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से अब दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के अनेक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के द्वार खुल गए हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि उचित मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिलने पर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। विद्यालय के विद्यार्थियों में राधेश्याम ने 388 अंक 88.49 परसेंटाइल प्राप्त कर सर्वोच्च प्रदर्शन किया। इसके अलावा डिंपल कंवर 349 अंक, मनीषा 300 अंक, पूर्णिमा 300 अंक, दयानंद मरकाम 280 अंक, दिव्या 271 अंक, हरिकेश कुमार 263 अंक, सोनम दीवान 244 अंक, मेनका 220 अंक, प्रीति कश्यप 196 अंक, गुंजा 182 अंक तथा आराधना 180 अंक ने भी सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा समग्र व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। पथरीडीह विद्यालय की यह उपलब्धि शासन की जनजातीय शिक्षा को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता और शिक्षकों के समर्पित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

साथ ही उन्होंने कहा कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथरीडीह के विद्यार्थियों की नीट-2026 में मिली सफलता पूरे धमतरी जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और शासन द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये विद्यार्थी भविष्य में कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे तथा अपने क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

कलेक्टर ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर धमतरी का गौरव बढ़ाने वाले सत्यांशु दीप को दी

सत्यांशु बने स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया कप 2026 टीम के मेडल विजेता

धमतरी। धमतरी जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित सार्थक स्कूल धमतरी के विशेष खिलाड़ी सत्यांशु दीप ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत-छत्तीसगढ़ के माध्यम से भारतीय स्पेशल ओलंपिक्स फुटबॉल टीम में चयनित होकर स्वीडन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया कप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनकी इस उपलब्धि ने धमतरी, छत्तीसगढ़ और पूरे देश का गौरव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। स्वीडन के गोथेनबर्ग में आयोजित गोथिया कप 2026 के स्पेशल ओलंपिक्स ट्रॉफी वर्ग में भारत की स्पेशल ओलंपिक फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। तीसरे स्थान के रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने फिनलैंड को 2.1 से हराया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सत्यांशु दीप को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि किसी विशेष खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना पूरे जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि सत्यांशु ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, कठिन परिश्रम और अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि दृढ़ संकल्प, सतत अभ्यास और उचित मार्गदर्शन मिलने पर विशेष बच्चे भी वैश्विक मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शासन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। ऐसे खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ समाज में सकारात्मक सोच को सशक्त करती हैं तथा समावेशी विकास की भावना को भी मजबूत बनाती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सत्यांशु दीप भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर धमतरी, छत्तीसगढ़ और भारत का गौरव बढ़ाते रहेंगे। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सत्यांशु दीप, उनके माता-पिता एवं परिवारजनों, प्रशिक्षकों, सार्थक स्कूल, स्पेशल ओलंपिक्स भारत छत्तीसगढ़ तथा भारतीय स्पेशल ओलंपिक्स फुटबॉल टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

उन्होंने कहा कि सत्यांशु दीप की सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों, विशेषकर दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बनेगी तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने का आत्मविश्वास प्रदान करेगी। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, धमतरी डॉ मनीषा पांडे ने भी सत्यांशु दीप को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि जिले एवं प्रदेश के विशेष बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि स्पेशल ओलंपिक्स भारत छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन, सार्थक स्कूल के नियमित प्रशिक्षण, प्रशिक्षकों की मेहनत तथा परिवार के निरंतर सहयोग से सत्यांशु ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है।

उल्लेखनीय है कि सत्यांशु दीप इससे पूर्व राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप, रोहतक हरियाणा में देश के 23 राज्यों के 500 से अधिक खिलाड़ियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लॉन्ग जंप में स्वर्ण पदक तथा 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त कर चुके हैं। उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर भारतीय स्पेशल ओलंपिक्स फुटबॉल टीम में उनका चयन हुआ और उन्होंने स्वीडन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया कप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व कर धमतरी जिले को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

नवनियुक्त अध्यक्षों का नगर आगमन पर भव्य स्वागत

सरायपाली। सरायपाली छ.ग. राज्य अनुसूचित जाति आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष रामलाल चौहान एवं छ.ग. राज्य शाकंभरी बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र नायक पटेल के नियुक्ति के पश्चात प्रथम सरायपाली आगमन पर स्थानीय अघरिया कन्या छात्रावास में एक स्वागत कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं व गणमान्यजनों की उपस्थिति में अध्यक्ष द्वय का स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, ओमप्रकाश चौधरी,जनपद पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष सरस्वती पटेल, पुष्पलता चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, चन्द्र कुमार पटेल, कामता पटेल, तारेश्वरी नायक, अमन वर्मा, गुंजन अग्रवाल, प्रमोद सागर, मनोज दास, विदित धनानिया, दीपक माखीजा, उद्धव नंद, दीनता कुम्हार, ओमप्रकाश चौधरी, अनंतराम पटेल, रमेश नायक, राजकुमार पटेल, राजकुमार भोई सहित सभी सोसायटी अध्यक्ष, सरपंच, सचिव, एल्डरमेन, पार्षदगण व बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

धारा 49 की बाध्यता समाप्त, पेंशनरों को मिलेगा महंगाई राहत वृद्धि का लाभ

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी पेंशनर्स एसोसिएशन की लंबे समय से चली आ रही मांग पर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अब छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश शासन की सहमति की आवश्यकता नहीं रहेगी। धारा 49(6)से संबंधित बाध्यता समाप्त होने से राज्य के लाखों पेंशनरों को राहत मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पी. आर. यादव ने बताया कि संगठन द्वारा लगातार छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष यह मांग उठाई जाती रही कि पेंशनरों के महंगाई राहत संबंधी निर्णयों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने वाली व्यवस्था समाप्त की जाए। संगठन के सतत प्रयासों और सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण निर्णय संभव हो सका है। छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन बलौदाबाजार भाटापारा के जिला अध्यक्ष पीके हिरवानी छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष मनोज दुबे ने इस निर्णय पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह

छत्तीसगढ़ के समस्त पेंशनरों की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पेंशनर महंगाई राहत में वृद्धि के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे तथा अब राज्य शासन स्वतंत्र रूप से निर्णय लेकर पेंशनरों को समय पर लाभ प्रदान कर सकेगा। पवन हिरवानी मनोज दुबे ने प्रदेश अध्यक्ष पी. आर. यादव एवं संगठन के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि संगठन की एकजुटता, निरंतर संघर्ष और पेंशनरों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस निर्णय के बाद पेंशनरों के लंबित हितों और मांगों के निराकरण में भी तेजी आएगी। सछत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री उमेश मुदलियार संभाग अध्यक्ष विमलचंद कुंडूतथा प्रांतीय सचिव सी एल दुबे ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है तथा इसे प्रदेश के पेंशनरों के सम्मान और अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। मनोज दुबे पवन हिरवानी द्वारासंयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है

कलेक्टर के प्रयास से नया पर्यटन क्षेत्र ठेमली आईलेंड हो रहा विकसित

धमतरी। सिहावा पर्वत के श्रृंगि ऋषि से निकली महानदी पर निर्मित ब्रिटिश हुकूमत के मुरूमसिल्ली बांध के बाद 1972 में विश्व बैंक के सहयोग से लगभग 40 करोड़ की लागत से बनने वाले गंगरेल बांध का भूमिपूजन देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री मति इंदिरा गांधी ने किया था। इसके बाद से महानदी में दूसरा बांध कार्य प्रारंभ हुआ जिसका कार्य लगभग 8 वर्ष तक चलता रहा और वर्ष 1980 में पूरा हुआ। इस बांध से हजारों एकड़ क्षेत्र के किसानों को दोहरी फसल लेने का लाभ मिला। बांध निर्माण के पश्चात नहर नालियों का मकड़ी के जाल की तरह विस्तार किया गया जिससे महानदी का एक-एक बूंद को बचाने का लक्ष्य रखा गया था। यह परियोजना आज किसानों के लिये वरदान साबित हो रही है। यही नहीं इसी बांध से भिलाई स्टील प्लांट के साथ साथ रायपुर को पेयजल आपूर्ति की जा रही है। अब पिछले कुछ वर्षों से धमतरी को भी पानी मिल रहा है। यह बांध बनने के बाद सरकार की आशाओं के अनुरूप किसान भाई दोहरी फसल का लाभ प्राप्त कर आर्थिक रूप से सक्षम हो रहे हैं। पं.रविशंकर जलाशय परियोजना (गंगरेल बांध) प्रदेश का सबसे बड़ा बांध माना जाता है। गंगरेल सहित जिले के अन्य बांध क्षेत्रों को अब पर्यटन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से जिले के संवेदनशील कलेक्टर अबिनाश मिश्रा पूरी तरह सक्रिय हैं और समय समय पर यहां पर्यटन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य को लेकर उनके द्वारा कार्यों की समीक्षा भी की जाती रही है। किसानों को जहां दोहरी फसल का लाभ मिल रहा है वहीं अब यह बांध पर्यटकों के लिये एक भरपूर मनोरंजन का केंद्र भी बन चुका है। इसे और अधिक सुसज्जित बनाने के उद्देश्य से मोटर बोट चलाया जा रहा है जो सीधे ठेमली एवं डुबान क्षेत्र के लोगों के लिये वरदान साबित हो रहा है। कलेक्टर मिश्रा के अथक प्रयास से डुबान क्षेत्र में रहने वाले लोगों को तत्कालिक स्वास्थ्य सुविधाओं के काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। डुबान क्षेत्रवासियों के बहुप्रतीक्षित मांग को गंभीतर से लेते हुए कलेक्टर मिश्रा ने वॉटर एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध करा दी है जिससे डुबानवासियों को आने-जाने में काफी सुविधा हो रही है। कलेक्टर मिश्रा दूरदर्शी सोच और पर्यटकों को और अधिक आकर्षित करने के उद्देश्य से गंगरेल बांध के अंतिम छोर में स्थित ठेमली आईलेंड को अत्यधिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से कार्य जारी है। ठेमली आईलेंड कार्य पूर्ण होने के बाद जिले सहित प्रदेश के कोने-कोने से आने वाले पर्यटकों को एक नये रोमांच का अनुभव प्राप्त होगा जिसका नागरिक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कलेक्टर के प्रयास से ही ठेमली आईलेंड को भी पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने तेजी के साथ कार्य करवाया जा रहा है जो आने वाले दिनों में पर्यटकों के लिये एक अनोखा उपहार साबित होगा। कलेक्टर के इस प्रयास की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। रविशंकर सागर परियोजना गंगरेल के नाम से प्रसिद्ध यह बांध आज पर्यटकों को भी लुभा रहा है। हालांकि पूर्व वर्षों में जब इस बांध का भूमिपूजन हुआ, उसके बाद उस क्षेत्र के 52 गांव डूब में आये। यहां किसानों के खेतों का उस वक्त उचित मुआवजा दिया गया। साथ ही उन्हें व्यवस्थापन की भी घोषणा की गई थी। लेकिन आज भी देखा जा रहा है कि ऐसे डुबान प्रभावित लोग दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। पिछले दिनों इसी दर्द को लेकर डुबान क्षेत्र के ग्राम तिर्रा निवासी लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं विस अध्यक्ष रमन सिंह से भेंट कर अपनी पीड़ा बताई और अपने आवेदन में उन्होंने यह भी बताया कि 40 वर्ष पूर्व इन्हें जो भूमि बागोडार में आबंटित की गई थी, उसे अब तक नहीं दिया गया। इन्होंने अपने आवेदन यह भी कहा है कि पटवारी की गलती से उक्त खसरा नंबर में किसी अन्य व्यक्ति को बसा दिया गया है जिसे लेकर डॉ रमन सिंह ने एक पत्र कलेक्टर धमतरी को प्रेषित कर इसका निराकरण किये जाने कहा है। गंगरेल बांध के निर्माण के पूर्व यह क्षेत्र पूरी तरह जंगलों से घिरा हुआ था। 52 गांवों के निवासियों को जब वहां से मुआवजा देकर हटाया गया तब वहां बड़े-बड़े डोजर, स्क्रेपर, ब्लास्टिंग आदि का कार्य प्रारंभ हुआ। इन कार्यों में लगे श्रमिकों को खाद्यान्न सामग्रियां उपलब्ध कराने यहां नियमित रूप से बाजार लगता रहा जहां से गंगरेल बांध के निर्माण में जुटे सैकड़ों मजदूरों, यहां तक अधिकारी, कर्मचारियों को यहां खाद्यान्न सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाया करती थी। आज गंगरेल पहुंचने के लिये पक्की सड़कें हैं।

लेकिन पूर्व में जंगल से होकर गंगरेल बांध के समीप पहुंचना पड़ता था और जो वर्तमान रास्ता है वह अधूरा था। इसलिये आना-जाना जंगल के क्षेत्र से होता रहा। प्रदेश के सबसे बड़े गंगरेल बांध के निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मुख्य अभियंता देवराज सिक्का का कुशल निर्देशन से तत्कालीन अधीक्षण अभियंता पी सी अग्रवाल एवं कार्यपालन अभियंता एस डब्ल्यू मोहगांवकर, पी के हांडा के मध्य मशीनरी और अर्थवर्क का कार्य संपादन की जवाबदारी थी जिनके अधीन अनेक सहायक अभियंता, उपअभियंता कार्यरत थे। विद्युत एवं यांत्रिक विभाग का कार्य एम के टहलरामानी के द्वारा संपादित किया गया जबकि महानदी फीडर केनाल जो भिलाई तक लंबी है, उसके लिये केनाल सर्कल के अधीक्षण अभियंता पी के अश्वतनारायण, कार्यपालन अभियंता आर आर सप्रे एवं उनके सहायक अभियंता के रूप में अनेक अधिकारी कार्य किये हैं। इनकी देखरेख में विशालकाय गंगरेल बांध जो लगभग 110 फुट गहरा है और यहां 14 गेट स्थापित हैं जहां समय समय पर ओव्हरफ्लो होने पर इन गेटों को खोलकर महानदी में पानी का बहाव किया जाता आ रहा है। वर्ष 1980, 1994 में दो बार महानदी में आये उफान के चलते स्थिति काफी खराब हो चुकी थी। गंगरेल बांध के सीध में आने वाले क्षेत्र में लगने वाले दुकान, मकान पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं, इसी वजह से गंगरेल बांध के सीध में लगने वाले दुकान, बनने वाले मकान के निर्माण को पूरी तरह प्रतिबंधित किया हुआ है जिसके बोर्ड आज भी पुराने बाजार क्षेत्र के नदी समीप लगे हुए देखे जा सकते हैं जो रखरखाव के अभाव में जंग खा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार पिकअप पलटी, दो महिला मजदूरों की मौत

रायपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गईं। हादसा जरगिमा-जुड़वानी गांव के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में करीब 20 से 25 महिला मजदूर सवार थीं। सभी मजदूर परेवा गांव में धान रोपाई का काम करने के बाद अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में दो महिला मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गईं। घायलों में तीन महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही शंकरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

चोरी के संदेह में छह लोगों से पूछताछ की और बैटरी जब्त किया

रायपुर। पुलिस ने चोरी के एक मामले की जांच के दौरान छह संदेहियों से पूछताछ कर उनके कब्जे से 7 तिरपाल, 50 लीटर डीजल और एक बैटरी जब्त की है। बरामद सामान के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की है।पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई 2026 को थाना लखनपुर की टीम ग्राम पुहपुटरा, चिलबील और कटकोना क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पुहपुटरा के कुछ लोगों ने चोरी का तिरपाल, डीजल और बैटरी छिपाकर रखा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छह संदेहियों से पूछताछ की।पूछताछ के दौरान पुलिस ने अरविंद पैकरा (23 वर्ष), फेकू राम (40 वर्ष), जितेंद्र कुमार (24 वर्ष), सरजू रजक (24 वर्ष), बुधन राजवाड़े (25 वर्ष) और मनोज राजवाड़े (24 वर्ष), सभी निवासी ग्राम पुहपुटरा, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा के कब्जे से 7 तिरपाल, 50 लीटर डीजल और एक बैटरी बरामद की।पुलिस ने संदेहियों को बीएनएसएस की संबंधित धाराओं के तहत नोटिस देकर बरामद सामान के स्वामित्व संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा, लेकिन वे कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सके।

वाहन चोरी और गांजा तस्करी के मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट, वाहन चोरी और मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े मामलों में पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए छह अपराध दर्ज किए हैं। इनमें डीडी नगर थाना पुलिस ने 4 किलो 300 ग्राम गांजा के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि शहर के विभिन्न इलाकों में मारपीट और दोपहिया वाहन चोरी के मामले भी सामने आए हैं। खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी स्थित छरवा तालाब के पास पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि संदीप एवं वीरेंद्र वर्मा ने लक्ष्य माजनकपुरी के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव एवं आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण ने निर्माण ठेकेदारों के साथ की समीक्षा बैठक

कार्यस्थलों पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा

- निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा और त्वरित भुगतान पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल की बड़ी पहल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव एवं आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण की अध्यक्षता में निर्माण ठेकेदारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 50 से अधिक निर्माण ठेकेदारों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों से मंडल द्वारा सभी निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा कर गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में मंडल के कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए आवास निर्माण के साथ-साथ नगर विकास, रि-डेवलपमेंट, सड़क, पुल-पुलिया सहित अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी मंडल को सौंपी है। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों की भागीदारी इन योजनाओं की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। मंडल इन-हाउस, पीपीपी मॉडल तथा बीओटी के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं का प्रभावी संचालन कर रहा है और ठेकेदार मंडल की विकास यात्रा के अभिन्न सहयोगी हैं। अध्यक्ष श्री सिंह देव ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हितग्राहियों के लिए बनाए जाने वाले प्रत्येक घर का निर्माण उसी गुणवत्ता और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए, जैसी गुणवत्ता कोई व्यक्ति अपने स्वयं के

घर के निर्माण में सुनिश्चित करता है। बैठक में आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण ने कहा कि समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण विषयोंकृनिर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना तथा ठेकेदारों के देयकों का समयबद्ध भुगतानकृपर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने कहा कि सभी अभियंताओं एवं ठेकेदारों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि आबंटित कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। कार्यस्थलों पर आने वाली वास्तविक समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर मुख्यालय से भी तत्काल मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। आयुक्त श्री शरण ने बताया कि बैठक के दौरान ठेकेदारों द्वारा भूमि चयन, ले-आउट प्लान, प्राक्कलन तैयार करने एवं निविदा प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। इन सुझावों के परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी अपर आयुक्तों, उपायुक्तों एवं कार्यपालन अभियंताओं को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने लेखा एवं तकनीकी शाखा के अधिकारियों को ठेकेदारों के सभी प्रकार के देयकों के त्वरित भुगतान हेतु चेकलिस्ट आधारित प्रणाली अपनाने तथा भुगतान प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में मंडल की आगामी अधोसंरचना परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निर्माण गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा निर्माण एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

समूह की 40 महिलाओं को मिला पैरा आर्ट का प्रशिक्षण

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ (धान का कटोरा) में धान की कटाई के बाद बचने वाले रुपैराश् (पराली पुआल) से बनाई जाने वाली खूबसूरत हस्तकला को पैरा आर्ट कहते हैं। इसके जरिए वेस्ट पैरा का उपयोग कर महापुरुषों और देवी-देवताओं के 3ष पोर्ट्रेट और चित्र बनाए जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह ग्रामीण आय का भी एक बड़ा साधन बन रहा है। पैरा आर्ट बेहद दिलचस्प कला है, जिसमें धैर्य, कल्पनाशक्ति और बारीकी की समझ जरूरी है. धीरे-धीरे इस कला का क्रेज लोगों के बीच बढ़ता जा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बलौदाबाजार के अंतर्गत ग्राम लाहौद में स्व-सहायता समूह की 40 महिलाओं को धान एवं पैरा (पुआल) आर्ट का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा धान और पैरा से तैयार की गईं विभिन्न सुंदर और आकर्षक कलाकृतियों का अवलोकन किया तथा उनके हुनर की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जिला पंचायत सीईओ बलौदाबाजार-भाटापारा ने बताया कि जिला पंचायत की बिहान टीम के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में गैर-कृषि आजीविका को बढ़ावा दिया जा रहा है।

नैनो यूरिया से बढ़ा किसान रामदुलारी साहू का भरोसा, अब पांच एकड़ में करेंगे उपयोग

- बेहतर परिणाम से उत्साहित किसान बोले- आधुनिक तकनीक से खेती बन रही अधिक लाभकारी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव किसानों के खेतों में दिखाई देने लगा है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोड़ी निवासी प्रगतिशील किसान श्री रामदुलारी साहू भी ऐसे ही किसानों में शामिल हैं, जिन्होंने नैनो यूरिया का सफल प्रयोग कर बेहतर परिणाम प्राप्त

किए हैं। शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर अब वे आगामी फसल सीजन में लगभग पांच एकड़ भूमि पर नैनो यूरिया का उपयोग करने की तैयारी कर रहे हैं। श्री साहू ने बताया कि उन्होंने कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में पहले लगभग दो एकड़ भूमि पर नैनो यूरिया का प्रयोग किया था। इसके उपयोग से फसल की बढ़वार बेहतर हुई, पौधे अधिक स्वस्थ दिखाई दिए तथा पोषक तत्वों का प्रभावी उपयोग होने से फसल की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला। सकारात्मक परिणामों ने उनका विश्वास और मजबूत किया, जिसके बाद उन्होंने आगामी सीजन में बड़े रकबे में नैनो यूरिया अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक यूरिया की तुलना में नैनो यूरिया का उपयोग अधिक सुविधाजनक है। इसकी छोटी बोतल को आसानी से खेत तक ले जाया जा सकता है, जिससे परिवहन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती। साथ ही इसका छिड़काव भी सरल है, जिससे किसानों के समय और श्रम दोनों की बचत होती है। श्री रामदुलारी साहू का कहना है कि आधुनिक कृषि तकनीकों और वैज्ञानिक खेती को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

सेवा-सेतु से आसान हुई सरकारी सेवाएं...

- अब 442 डिजिटल सुविधाएं एक ही केंद्र पर, घर बैठे बन रहे आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार की डिजिटल सुशासन पहल के तहत संचालित सेवा-सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं का सबसे भरोसेमंद और आसान माध्यम बनकर उभरे हैं। पहले लोक सेवा केंद्र के रूप में संचालित इन केंद्रों में जहां 73 शासकीय सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं अब इनका विस्तार कर 442 डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। इससे नागरिकों को आय, जाति, निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र समेत विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर ऑनलाइन और समयबद्ध तरीके से मिल रही हैं। सबसे अधिक राहत उन लोगों को मिली है जिन्हें आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पहले कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब सेवा-सेतु केंद्र में आवश्यक दस्तावेज जमा करते ही आवेदन संबंधित विभाग तक ऑनलाइन पहुंच जाता है। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से पारदर्शिता बढ़ी है और नागरिकों का समय व धन दोनों बच रहे हैं। राज्य सरकार के इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रम पंजीयन, बिजली, पानी, राजस्व, पंचायत, नगरीय प्रशासन, खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अनेक विभागों की सेवाएं भी एक ही केंद्र पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो गई है। रायगढ़ जिले में भी सेवा-सेतु केंद्रों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। हाल के दिनों में रायगढ़ तहसील के विभिन्न सेवा-सेतु केंद्रों के माध्यम से राजपाल सिदार, गिरधारी सिदार, मुकेश कुमार विशाल तथा टेकचंद उरांव सहित अनेक आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए। आवेदन का ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेजों का सत्यापन और प्रमाण पत्र का निर्गमन पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ। जिले के विभिन्न सेवा-सेतु केंद्रों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन कर रहे हैं और समय पर उनका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सेवा-सेतु केंद्रों की एक महत्वपूर्ण विशेषता डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था भी है।

सेवासेतु केंद्र से प्रदेशभर में नागरिकों को मिल रही त्वरित राजस्व सेवाएं....

- सूरजपुर के श्री राकेश कुमार को कुछ ही घंटों में मिला निवास प्रमाणपत्र, सेवा सेतु व्यवस्था से बढ़ा आमजन का भरोसा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संचालित सेवा सेतु केंद्र प्रदेश के लाखों नागरिकों के लिए त्वरित और भरोसेमंद सेवाओं का माध्यम बनकर उभरा है। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को जाति, आय, निवास, जन्म सहित विभिन्न आवश्यक प्रमाणपत्र एवं अन्य राजस्व सेवाएं समयबद्ध, सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम हुए हैं और लोगों को निर्धारित समय में सेवाओं का लाभ मिल रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में सेवा सेतु केंद्रों के प्रभावी संचालन से आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल रही है। इसका एक प्रेरक उदाहरण सूरजपुर जिले से सामने आया है, जहां भटगांव तहसील के ग्राम किशोरनगर निवासी श्री राकेश कुमार लंबे समय से निवास प्रमाणपत्र नहीं बनने के कारण परेशान थे। प्रमाणपत्र के अभाव में उनकी शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। सेवा सेतु केंद्र की जानकारी मिलने पर उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए कुछ ही घंटों के भीतर उनका निवास प्रमाणपत्र जारी कर दिया। श्री राकेश कुमार ने बताया कि पहले निवास प्रमाणपत्र बनवाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बनेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून बार-बार कमजोर पड़ने से बारिश का सिलसिला टूट रहा है। जुलाई के मध्य तक पहुंचने के बावजूद प्रदेश में मौसमी वर्षा सामान्य से 29 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा और कहीं भी उल्लेखनीय बारिश नहीं हुई। मंगलवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक, जबकि न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री, सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार मानसून के बार-बार कमजोर पड़ने की सबसे बड़ी वजह बंगाल की खाड़ी में लगातार मजबूत निम्न दाब क्षेत्र (लो प्रेशर) नहीं बन पाना है। जब भी कोई सिस्टम सक्रिय होता है, कुछ दिन अच्छी बारिश होती है, लेकिन उसके कमजोर पड़ते ही मानसूनी गतिविधियां धीमी हो जाती हैं। अब उत्तरी बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी बांग्लादेश के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटे में नया निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से 15 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार छत्तीसगढ़ की बारिश मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी में बनने वाले निम्न दाब क्षेत्रों पर निर्भर रहती है। इस बार मानसून ट्रफ कई बार उत्तर की ओर खिसक गई और खाड़ी में लगातार मजबूत सिस्टम विकसित नहीं हो सके। इसके कारण नमी की आपूर्ति कम हुई।

रायपुर संभाग के चार कृषि विज्ञान केन्द्रों की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

कृषि में जलवायुपरिवर्तन,नवाचार एवं प्राकृतिक खेती पर हुआ मंथन

रायपुर/ संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के आर्या सभागार कक्ष में चार जिलों रायपुर, गरियाबंद, धमतरी एवं महासमुंद के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 10वी बर्षिक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल अपने उदबोधन में वैज्ञानिकों विभागीय अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों से क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी सुझाव देने का आव्हान किया। उन्होनें कहा कि किसान वैज्ञानिक सलाह, ऊनत तकनीक तथा वैल्यु एडिशन तकनीक को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं । उन्होनें कृषि विज्ञान केन्द्रों को विश्वविद्यालय का चेहरा बताते हुए दलहन एवं तिलहन फसल का रकबा बढ़ाने पर भी निर्देश दिये। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. एस.एस. टुटेजा ने प्राकृतिक खेती एवं फसल विविधिकरण पर अपने विचार रखें साथ ही किसान उत्पादक संगठनों और स्व सहायता समूह के सदस्यों को नवाचार एवं बाजार के अनुरूप प्रोडक्ट तैयार कर आम लोगों के बीच मार्केट लिंकेज को बढ़ावा देने की बात की जिससे किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इस कार्यक्रम में चारों कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुखों ने अपने-अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया एवं सुझाव मांगे। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर की त्रैमासिक पत्रिका इंदिरा किसान मितान एवं कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद के विस्तार प्रकाशनों का भी विमोचन सम्मानीय अतिथियों के द्वारा किया गया। महासमुंद और धमतरी के कृषि महाविद्यालयों के डीन डॉ. संदीप भंडारकर और डॉ. नवनीत राणा, कृषि विभाग के संयुक्त संचालक श्री गयाराम, पशु चिकित्सा सेवाओं के संयुक्त संचालक डॉ. एस.एल. उइके, चारों जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख और उनकी टीम 20 से अधिक प्रगतिशील किसान और साथ ही कृषि विभाग, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो और लीड बैंक के अधिकारी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ अपने सुझाव साझा किए, जिसके बाद जरूरी बदलावों के साथ साल 2026-27 के लिए

सभी चार कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजनाओं को मंजूरी दी गई।

- कृषि महाविद्यालय, रायपुर में व्याख्यान माला में उद्यानिकी एवं पुष्पकृषि के उभरते रुझानों पर हुआ विमर्श

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे की प्रेरणा से कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में एक विशिष्ट व्याख्यानमाला के अंतर्गत दिनांक 16 जुलाई 2026 को अपराह्न 03:00 बजे महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में उद्यानिकी एवं पुष्पकृषि में उद्यमिता विकास हेतु उभरते रुझान विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, प्रोफेसर, पुष्पकृषि एवं लैंडस्केपिंग विभाग, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री (सीएचएफ), पासीघाट, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (इम्फाल), अरुणाचल प्रदेश ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने तकनीकी प्रगति, उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं तथा बाजार की बढ़ती मांग के परिप्रेक्ष्य में उद्यानिकी एवं पुष्पकृषि क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक उद्यमिता संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. कुमार ने कहा कि पुष्पकृषि आज एक सनराइज़ इंडस्ट्री के रूप में उभर रही है, जिसमें रोजगार सृजन, मूल्य संवर्धन, निर्यात संवर्धन तथा ग्रामीण युवाओं एवं कृषि उद्यमियों की आय में सतत वृद्धि की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान में परिशुद्ध (प्रिसिजन) कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित ग्रीनहाउस प्रबंधन, हाइड्रोपोनिक्स, एरोपोनिक्स, वर्टिकल फार्मिंग, संरक्षित खेती, शहरी लैंडस्केपिंग, जैव-सुदृढ़ीकरण बायोफोर्टिफिकेशन, डिजिटल विपणन, ब्रांडिंग, अपशिष्ट से संपदा तकनीक, कटाई उपरांत प्रबंधन तथा उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार आधारित स्टार्टअप अवसरों जैसे अनेक समकालीन एवं भविष्य उन्मुख विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

संपादकीय

लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई जरूरी..

लॉरेंस बिश्नोई अगर जेल में बंद रहते हुए भी अपनी आपराधिक योजनाओं को अंजाम दे पाता था, तो उसमें यही पहलू सबसे अहम है कि उसे तकनीकी संसाधन कैसे हासिल हुए और उसे मुहैया कराने तथा आसानी से उसका इस्तेमाल करने की सुविधा उसे किसके संरक्षण में मिलती थी।यह चिंता की बात है कि देश की जेल में बंद होने के बावजूद किसी कैदी पर अपनी आपराधिक गतिविधियां संचालित करने के आरोप लगते हैं और मामला अन्य देशों के दायरे में भी पहुंच जाता है। सरकार को जहां समय रहते इस मसले पर सख्त कदम उठाना चाहिए था, वहां उसने लगातार इस सवाल की अनदेखी की कि जेल में होने के बावजूद कोई कैदी कैसे अपनी मनमानी कर पा रहा है और उसे किसका संरक्षण मिला हुआ है।ऐसे आरोप आम रहे हैं कि कुख्यात अपराधी लारेंस बिश्नोई जेल में बंद होने के बावजूद देश और विदेश में काम कर रहे अपने गिरोह के जरिए हत्या, रंगदारी और फिरौती जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देता रहा है।अब अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में लारेंस बिश्नोई गिरोह को अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी, पंजाबी अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकी तथा पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को अंजाम दिलाने जैसी कई घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि इस संगठित गिरोह के सदस्यों ने अक्सर भारत और विदेश में बसे भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक और राजनीतिक हस्तियों तथा बड़े व्यावसायियों को हिंसा का निशाना बनाया। जाहिर है, लारेंस बिश्नोई की हरकतों के बारे में जितनी भी जानकारी सामने आ सकी है, उस आलोक में अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में आए तथ्य हैरान नहीं करते हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि वह अपनी आपराधिक योजनाएं बनाने से लेकर उन्हें अंजाम देने तक की सुविधाएं कैसे और किसके जरिए हासिल करता रहा। अब एक अभियान के तहत अमेरिका, कनाडा और स्पेन की कानून प्रवर्तन एजंसियों ने मिल कर जो कार्रवाई की है, उसमें तीन देशों में चौबीस लोगों की गिरफ्तारी की गई और सैंतीस के खिलाफ आरोप तय किए गए। के लिए किसी अन्य देश में आरोपपत्र तय किए जाते हैं, लेकिन भारत में ऐसी ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई, जिससे जेल में बंद एक कुख्यात कैदी को अपना अपराध-तंत्र संचालित करने से रोका जा सके। बिश्नोई के गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर अपना प्रभाव बढ़ाने और भय पैदा करने के लिए खुलेआम धमकी जारी करते थे, तो उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?गौरतलब है कि कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लारेंस बिश्नोई गिरोह पर लगा था और उसी संदर्भ में भारत और कनाडा के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया था।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

(ललित गर्ग)

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्ज़ी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है।

एक मासूम, कई हैवान, हमारी सामूहिक खामोशी

(तवलीन सिंह)

यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि हमारे समय का सबसे शर्मनाक सच है, जहां राजनीति, प्रशासन और न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

राजस्थान की बच्ची से जुड़े जघन्य अपराध के बहाने यह लेख समाज, राजनीति और न्याय व्यवस्था की सामूहिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाता है। राजस्थान की एक बेटी की कहानी सुनकर पिछले सप्ताह मुझे दुख और गुस्से से ज्यादा शर्मिंदगी महसूस हुई। कैसा देश है हमारा कि एक बच्ची के साथ बत्तीस दरिंदों ने पांच दिनों तक बलात्कार किया और किसी को पता तक नहीं लगा। बच्ची को एक होटल से दूसरे होटल में ले जाया जाता था, फिर भी न शहर के शासकों को खबर हुई और न पुलिस को।

कैसे? क्यों? बच्ची को आटो चालक ने अगवा करके किसी होटल मालिक को बेचा। उसने आगे कई और होटल मालिकों के हवाले बच्ची को किया और इंटरनेट पर उसकी फोटो डाल कर दरिंदों को आमंत्रित किया।

किसी तरह जब वह इस नरक से जान बचा कर भागी, तो उसका इतना बुरा हाल हो चुका था कि उसकी जान अस्पताल में भी कोई नहीं बचा सका। दरिंदों को पकड़ कर रस्सियों से बांध कर शहर की सड़कों पर पिटवाने की घटना तो चर्चा का विषय बनी, लेकिन आगे क्या होगा वह भी सुन लीजिए। उनको जेल भेजा जाएगा जरूर और जिनकी थोड़ी बहुत पहुंच है, उनकी जमानत भी शायद हो जाएगी।

जम्मू के ब्लात्कारियों का क्या हुआ किसी को नहीं पता- उसके बाद कई साल उन पर मुकदमा चलेगा। इतने साल गुजर जाएंगे कि दुनिया भूल जाएगी कि उनका अपराध क्या था। क्या आप जानते हैं कि उस बच्ची के बलात्कारियों के साथ क्या हुआ था, जिन्होंने उस मासूम को जम्मू के एक मंदिर में बेहोश कर उससे बलात्कार किया था और जब मरने वाली थी, तो उसे मार डाला उसका सिर फोड़ कर? दंडित हुए भी हैं क्या? कोई नहीं जानता, क्योंकि उस बच्ची की कहानी हम बहुत पहले भूल चुके हैं।

राजस्थान की इस बच्ची की कहानी सुन कर कई नेता-अभिनेता दुख व्यक्त कर चुके हैं सोशल मीडिया पर, बिल्कुल वैसे जैसे जम्मू की उस छोटी-सी बच्ची की कहानी सुन कर हुआ था। दुख व्यक्त करने वाले हमारे देश में बहुत सारे लोग हैं, लेकिन इस किस्म के घिनौने अपराधों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए बहुत कम लोग सामने आते हैं।

क्यों नहीं दुख व्यक्त करने वाले ये लोग दबाव डालते हैं हमारे शासकों पर कि जब बच्चियों के साथ ऐसा होता है, तो खास अदालतों में मुकदमा चलना चाहिए, ताकि दशकों तक मुकदमा चलता न रहे? क्यों नहीं ऊंची आवाज में कहते हैं कि भारत का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए कि रोज इस देश में बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। हर साल 31 हजार मामले दर्ज होते हैं, लेकिन जब अदालतों तक बात पहुंचती है, तो केवल 30 फीसद बलात्कारी दंडित होते हैं।

ऐसा क्यों है? यह सवाल हमको बार-बार पूछना चाहिए अपने राजनेताओं से, लेकिन हम इसलिए पूछते नहीं हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि इन लोगों को ऐसी बातों की कोई परवाह नहीं है। उनका ध्यान रहता है बड़ी-बड़ी चीजों पर जैसे कि संसद में महिलाओं के लिए सीटों को आरक्षित करना। जैसे महिलाओं के वोट बटोरने के लिए उनको हर महीने पंद्रह सौ से दो हजार रुपए दिलवाना, जैसे शहर की बसों में उनके लिए मुफ्त यात्रा का इंतजाम करना, लेकिन जब हमारे देश में किसी शर्मनाक घटना के बारे में जानकारी मिलती है, तो हमारे नेता अपने बिलों में घुस जाते हैं, ताकि उनके पास कोई शिकायत लेकर न आए।

लोकसभा के अंदर कुछ महिला सांसद हैं जो आवाज उठाती हैं जब कोई बहुत ही शर्मनाक घटना घटती है, लेकिन उसके बाद कभी नहीं मालूम करने की कोशिश करती हैं कि न्याय हुआ है उस बच्ची के साथ या नहीं? बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। नारा अच्छा है, बहुत अच्छा है।

राजस्थान के सीएम ने कोई आवाज नहीं उठाई- अपने प्रधानमंत्री ने एक अरसा पहले यह नारा देश की बेटियों को दिया था और कई कोशिशें अपनी तरफ से की थीं यह साबित करने के लिए कि उनके दिल में देश की बेटियों के लिए कितना प्यार है, लेकिन वास्तव में प्यार जताना होता, तो प्रधानमंत्री ऐसी घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज तो कम से कम उठाते। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इसलिए इतना तो हो सकता है न कि मुख्यमंत्री अपनी आवाज उठाएं। सच यह है कि बलात्कार भी राजनीतिक लिबास पहने हुए है। जब कोई घटना घटती है किसी कांग्रेस शासित राज्य में, तो भाजपाई खूब हल्ला मचाते हैं और जब भाजपा शासित राज्यों में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो हल्ला बोलते हैं कांग्रेस के लोग। इन नेताओं के आंसू घड़ियाली न होते, तो देश की बेटियों की किस्मत इतनी बुरी न होती। दरिंदों को रोकना है, तो सामाजिक स्तर पर काम होना जरूरी है और कानूनी स्तर पर भी। ये सारी चीजें तब होने लगेंगी, जब राजनेता नेतृत्व दिखाएंगे।

सिद्धान्तविहीन राजनीति का बदलता चेहरा

बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल यानी लाल-बाल-पाल जैसे नेताओं ने इसे ब्रिटिश नीतियों के खिलाफ सीधे संघर्ष का रूप दे दिया। सन् 1907 के सूरत अधिवेशन में पार्टी की नीतियों के कारण उसका विभाजन गरम दल और नरम दल के रूप में हो गया। एक घटक ने आजाद हिन्द फौज बनाई तो दूसरे ने कांग्रेस पर कब्जा कर लिया। सन् 1920 में नागपुर अधिवेशन आयोजित किया गया। मोहनदास कर्मचन्द गांधी के आगमन के साथ कांग्रेस का चरित्र पूरी तरह बदल गया। पार्टी के संविधान में परिवर्तन किये गये। परिवर्तनों का यह क्रम आज तक चल रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को कलकत्ता में जन्मे डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान की थी।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश में राजनैतिक बिसात पर नित नये पैतरे देखने को मिल रहे हैं। स्वार्थवादी सिद्धान्तों ने संचयकारी सोच के साथ मिलकर आदर्शवादी मूल्यों को तिलांजलि देना शुरू कर दिया है। पार्टियों के मूल उद्देश्य किस्तों में कत्ल किया जा रहे है। दल-बदल से लेकर संगठनों के जोड़-तोड तक की घटनायें सामने आ रहीं हैं। ऐसे में राजनैतिक दलों की स्थापनाओं और उनके उद्देश्यों के प्रकाश में वर्तमान की समीक्षा अतिआवश्यक हो जाती है। स्काटलैण्ड के मोंट्रोस शहर में जन्मे ब्रिटिश अफसर एलन ऑक्टेवियन ह्यूम ने 28 दिसंबर 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की थी जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों के शिक्षित और बुद्धिजीवी भारतीयों को एक साझा राजनीतिक मंच प्रदान करना था ताकि भारतीयों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को ब्रिटिश सरकार के समक्ष संवैधानिक ढंग से रखा जा सके लेकिन सन् 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान पार्टी एक जन-आंदोलन में बदलने लगी। बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल यानी लाल-बाल-पाल जैसे नेताओं ने इसे ब्रिटिश नीतियों के खिलाफ सीधे संघर्ष का रूप दे दिया। सन् 1907 के सूरत अधिवेशन में पार्टी की नीतियों के कारण उसका विभाजन गरम दल और नरम दल के रूप में हो गया। एक घटक ने आजाद हिन्द फौज बनाई तो दूसरे ने कांग्रेस पर कब्जा कर लिया। सन् 1920 में नागपुर अधिवेशन आयोजित किया गया। मोहनदास कर्मचन्द गांधी के आगमन के साथ कांग्रेस का चरित्र पूरी तरह बदल गया। पार्टी के संविधान में परिवर्तन किये गये। परिवर्तनों का यह क्रम आज तक चल रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को कलकत्ता में जन्मे डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान की थी। इस दल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक समर्थन प्राप्त था। कांग्रेसी प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के द्वारा सन् 1975 से 1977 कर आपातकाल लगा कर कथित तौर पर मनमानी, तानाशाही और गुण्डागिरी की गई। इसके विरोध स्वरूप सत्ताधारी कांग्रेस के विरोध में सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने एकजुट होकर बिहार के सारण जिले के सिताब दियारा गांव में जन्मे जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में सन् 1977 में जनता पार्टी का गठन किया गया जिसमें जनसंघ का भी विलय हो गया, परन्तु सन् 1980 में जनता पार्टी के भीतर दोहरी सदस्यता के विवाद और वर्चस्व की लड़ाई के कारण एक बडे घटक ने अटल बिहारी वाजपेई तथा लाल कृष्ण आडवारी के नेतृत्व में 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन कर लिया। पार्टी का उद्देश्य एकात्म मानववाद पर आधारित भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर, और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करना था।

वहीं पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में स्थित अरबालिया गांव में जन्मे नरेंद्र नाथ भट्टाचार्य जिन्हें मानवेन्द्र नाथ राय भी कहा जाता है, ने उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व को समाप्त करके वर्गहीन और शोषण-मुक्त साम्यवादी समाज की स्थापना के उद्देश्य से 17 अक्टूबर 1920 को तत्कालीन सोवियत संघ के ताशकंद में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। उसके बाद 26 दिसंबर 1925 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में मानवेंद्र नाथ रॉय ने अपनी पत्नी इवलिन ट्रेंट रॉय और अबानी मुखर्जी के साथ मिलकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया। महाराष्ट्र के पूना नगर में जन्मे बाल केशव ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना 19 जून 1966 को मुंबई में मराठी मानुष और स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य की थी जो बाद में कट्टर हिंदुत्व की विचारधारा वाली एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी के रूप में विकसित हुई। राम मंदिर आन्दोलन से लेकर सनातन के विभिन्न आन्दोलनों में शिवसेना ने अहम भूमिका का निर्वहन किया। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गाँव में जन्मे मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की स्थापना 4 अक्टूबर 1992 को डाक्टर राम मनोहर लोहिया की विचारधारा पर आधारित समानता की परिकल्पना को साकार करने हेतु की थी ताकि आर्थिक और सामाजिक समानता के सिद्धांतों की व्यवहारिक परिणति की जा सके। बहुजन समाज पार्टी की स्थापना पंजाब के रूपनगर यानी रोपण जिले के खवासपुर यानी पिरथीपुर बुंगा गांव में जन्मे कांशीराम ने 14 अप्रैल 1984 को अंबेडकर जयंती के दिन की थी जिसका उद्देश्य डाक्टर भीमराव अंबेडकर, ज्योतिराव फुले तथा पेरियार के सिद्धान्तों के आधार पर कथित मनुवादी व्यवस्था को उखाडना था। पार्टी के संस्थापक का मानना था कि राजनीतिक सत्ता सभी समस्याओं की चाबी होती है। इसी तरह अनेक पार्टियों ने स्थापना काल में अनेक सकारात्मक उद्देश्यों का शंखनाद किया था। कहीं जातिगत हितों को साधने का मुद्दे रेखांकित किये गये तो कहीं भाषागत विभेद की खाई बढाने की कोशिशें हुईं। इन प्रयासों ने राजनैतिक रंग लेकर सत्ता सुख की कल्पनाओं को पंख देना शुरू कर दिये। वर्तमान में लगभग सभी पार्टियां अपने मूल सिद्धान्तों, आदर्शों और नीतियों को तिलांजलि देकर केवल और केवल स्वार्थ सिद्धि के प्रयासों में लगी हैं। चुनावी जंग से लेकर सिंहासन तक पहुंचने के लिए साम, दाम, दण्ड, भेद आजमाये जा रहे हैं। वर्तमान उप चुनाव में मध्य प्रदेश का दतिया और बिहार का बांकीपुर का टिकिट वितरण इसी का एक जीता जागता उदाहरण है। पार्टियों के लिए समर्पण, त्याग और सेवा के मूल्य समाप्त हो चुके हैं। चाटुकारिता, निजी हित और वैभव संकलन की संभावनायें ही योग्यता के नये मापदण्ड बन गये हैं। सिद्धान्तविहीन राजनीति का बदलता चेहरा किसी भी दशा में राष्ट्रहित की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। ऐसे में आम आवाम की राय कायम करने में वर्तमान कार्य, राष्ट्रीय प्रगति और समस्याओं से निजात पाने वाले कारक ही उत्तरदायी होंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

नक्सल साए से निकलकर हरित ऊर्जा का मॉडल बना ठेनही,धमतरी में खुला सामूहिक सोलर प्लांट का नया अध्याय

142 किलोवॉट क्षमता का सामूहिक प्लांट तैयार, जिले के 55 और गाँवों में विस्तार की तैयारी

धमतरी। सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित करना न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह निरंतर आय, सस्ती बिजली और आत्मनिर्भरता का एक बेहतरीन माध्यम है। आप सरकार के माध्यम से आवासीय समूह की सहायता से आसानी से प्लांट लगवा सकते हैं। जो इलाका कभी नक्सल प्रभावित होने के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर छूट रहा था, आज वह देश की सबसे आधुनिक हरित ऊर्जा क्रांति की अगुवाई कर रहा है। धमतरी जिले का सुदूर वनांचल गाँव ठेनही (नगरी विकासखंड) जिले का ऐसा पहला गाँव बन गया है, जहाँ सामूहिक सोलर पावर प्लांट स्थापित कर 71 परिवारों के जीवन को रोशन किया गया है। यह सफलता केवल बिजली आने की कहानी नहीं है, बल्कि यह अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। ग्राम ठेनही के अधिकांश घरों की छतें पक्की नहीं बल्कि खपरैल की हैं, जिसके कारण छतों पर व्यक्तिगत सोलर पैनल लगाना संभव नहीं था। इस चुनौती का समाधान विद्युत विभाग और प्रशासन ने मिलकर निकाला। गाँव से महज 50-75 मीटर की दूरी पर उपलब्ध खाली जमीन पर 142 किलोवॉट क्षमता का एक बड़ा सामूहिक सोलर प्लांट खड़ा किया गया। वेंडरों

द्वारा सब्सिडी की राशि से ही गाँव के सभी 71 परिवारों का 2-2 किलोवॉट के लिए पंजीयन किया गया। ग्रामीणों को इसके लिए जेब से एक भी पैसा नहीं देना पड़ा।

घरों में कनेक्शन का काम तेजी से जारी है। जल्द ही ग्रिड कनेक्टिविटी के साथ बिजली उत्पादन शुरू होगा, जिससे ग्रामीणों को भारी-भरकम बिजली बिलों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में यह ऐतिहासिक पहल धमतरी को हरित और सतत विकास का अग्रणी जिला बनाएगी। ठेनही की सफलता के बाद अब नगरी विकासखंड के फरसिया, रतावा, दुगली सहित करीब 25 अन्य गाँवों और पूरे जिले में ऐसे 55 चयनित गाँवों में इस मॉडल को लागू करने की कार्ययोजना तैयार है। स्थानीय निवासी छात्र सिंह यादव ने कहा कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता सताती थी। अब गाँव में ही सोलर प्लांट लग जाने से हमें बहुत बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। यह हमारे बच्चों के भविष्य के लिए भी लाभकारी है। उप सरपंच रूपेश्वर नाग कहते है कि सबसे अच्छी बात यह है कि किसी भी ग्रामीण से कोई राशि नहीं ली गई है।

पूरा गाँव इस सामूहिक प्रयास से आत्मनिर्भर बनने जा रहा है। इसी तरह ग्रामीण इंदर सिंह नेताम एवं उमेंद्र नागेश ने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे सुदूर गाँव में इतनी आधुनिक तकनीक आएगी। यह पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बनेगा।पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित यह प्लांट न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा, बल्कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर पर्यावरण का संरक्षण करेगा। इस प्लांट को मुख्य विद्युत ग्रिड से जोड़ा जा रहा है, जिससे आवश्यकता से अधिक बनी बिजली ग्रिड में जाएगी और भविष्य में ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय के रास्ते भी खुलेंगे। ठेनही आज छत्तीसगढ़ के उन सुदूर अंचलों के लिए एक प्रेरक उदाहरण (रोल मॉडल) बनकर उभरा है, जो साबित करता है कि सही नीति और प्रशासनिक इच्छाशक्ति से दुर्गम क्षेत्रों को भी आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने दंतेवाड़ा से प्रदेशव्यापी विशेष लोक अदालत का किया शुभारंभ

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने त्वरित, सुलभ एवं आपसी समझौते से न्याय दिलाने के उद्देश्य के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर वर्ष की प्रथम विशेष लोक अदालत (परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के प्रकरणों) का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा से प्रदेश के सभी 23 जिलों के लिए वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया।

विशेष लोक अदालत में प्रदेशभर में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक अनादरण) से संबंधित लगभग 7,930 प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए। उद्घाटन समारोह से पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अन्य न्यायाधीशों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों ने मुख्य न्यायाधीश का आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि चेक अनादरण से जुड़े प्रकरण समझौता योग्य हैं और इनके आपसी सहमति से निराकरण होने पर पक्षकारों के समय एवं धन की बचत होती है। साथ ही न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है, जिससे अन्य प्रकरणों के त्वरित निराकरण में सहायता मिलती है। उन्होंने विशेष लोक अदालत को आम नागरिकों के लिए सुलभ एवं प्रभावी न्याय का सशक्त माध्यम बताते हुए न्यायिक अधिकारियों से अधिकाधिक पुराने एवं लंबित मामलों के निराकरण का प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को उच्चतम न्यायालय में लंबित प्रकरणों के आपसी समझौते से निपटारे के लिए भी पूर्ण निष्ठा से सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने दंतेवाड़ा जिला न्यायालय की विभिन्न खंडपीठों एवं अनुभागों का निरीक्षण किया, लोक अदालत की कार्यवाही का अवलोकन कर प्रकरणों के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत न्यायालय परिसर में रुद्राक्ष का पौधा भी रोपित किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने स्वागत उद्बोधन में मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में राज्यभर में न्यायालय भवनों, न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवासों सहित न्यायिक अधोसंरचना का तेजी से विकास हुआ है। इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले को न्यायिक कर्मचारियों एवं न्यायाधीशों के आवास, न्यायालय परिसर में डाकघर, डिजिटलीकरण केंद्र तथा सुकमा एवं बीजापुर में न्यायालय भवन एवं आवास निर्माण की सौगात मिली है।

कार्यक्रम के अंत में प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, दंतेवाड़ा ने मुख्य न्यायाधीश एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह में जिले के न्यायाधीशगण, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, डीएफओ श्री रामकृष्ण रंगानाथा वाय, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी, पक्षकार, प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के अन्य सभी जिलों के न्यायाधीश वर्चुअल माध्यम से समारोह में शामिल हुए।

सेवा सेतु से घर बैठे सोनम को मिला अपने बच्चे का जाति एवं आय प्रमाण पत्र

कोण्डागांव। शासन की सेवाओं को नागरिकों तक सरल, पारदर्शी, त्वरित और डिजिटल माध्यम से पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इस पहल के माध्यम से लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन कर समयबद्ध तरीके से सेवाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

इसी का लाभ विकासखंड कोण्डागांव के आड़का, छेपरा पारा निवासी मती सोनम कौशिक को भी मिला। उन्होंने अपने बच्चे के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए स्थानीय कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से सेवा सेतु पोर्टल

पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्धारित समय-सीमा में दोनों प्रमाण पत्र आसानी से प्राप्त हो गए।मती सोनम कौशिक बताती हैं कि पहले ऐसे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त व्यय होता था। लेकिन सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी हो गई है। ऑनलाइन आवेदन के बाद निर्धारित समय में प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाने से उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना बहुत ही आसान है। अब हमें सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते और समय पर प्रमाण पत्र आसानी से मिल जाते हैं। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होती है। उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु का उद्देश्य नागरिकों को शासकीय सेवाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुगम रूप में उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों की सुविधा बढ़ाने और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।आज सेवा सेतु के माध्यम से जिले के अनेक नागरिक घर के निकट उपलब्ध ऑनलाइन सेवा केंद्रों के जरिए विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं अन्य शासकीय सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर रहे हैं, जिससे नागरिकों का शासन के प्रति विश्वास और भी मजबूत हो रहा है।

संघर्ष से सफलता तकः बालिकागृह की शिवबती बनी बेटियों के लिए प्रेरणा

कठिन चुनौतियों के बीच अपने सपनों को कर रही साकार

संभाग स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

कोंडागांव। कठिन परिस्थितियाँ अक्सर जीवन की राह को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति, उचित मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। कोंडागांव जिला प्रशासन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कोंडागांव में संचालित छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद, बालिकागृह की शिवबती ने अपने संघर्ष और प्रतिभा के दम पर यह साबित कर दिखाया है।श्रवण दिव्यांग शिवबती का बचपन अनेक कठिनाइयों से भरा रहा। बीमारी के कारण उन्होंने कम उम्र में अपनी माँ को खो दिया और कुछ समय बाद नक्सली हिंसा में पिता का साया भी सिर से उठ गया। माता-पिता के निधन के बाद उनके चाचा ने उन्हें बालिकागृह में प्रवेश दिलाया। जीवन की इन विषम परिस्थितियों के बावजूद शिवबती ने हार मानने के बजाय अपने सपनों को नई दिशा देने का संकल्प लिया। बालिकागृह में उन्हें सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संरक्षण और अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिले। तीरंदाजी में रुचि को देखते हुए उन्हें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बहतराई (बिलासपुर) में हुआ, जहाँ उन्होंने एक वर्ष तक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल कोष निधि से बालिकागृह की बालिकाओं के लिए इंडियन एवं रिकर्व तीरंदाजी उपकरण भी उपलब्ध कराए गए।

समय पर मिले संसाधनों, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और शिवबती की अथक मेहनत ने उनके सपनों को नई उड़ान दी।वर्तमान में बालिकागृह कोण्डागांव में रहकर नियमित अभ्यास कर रही शिवबती ने जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

उनकी यह उपलब्धि संघर्ष,

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने सपरिवार माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने न्यू सर्किट हाउस में किया आत्मीय स्वागत

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने आज अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ विश्व प्रसिद्ध माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में उन्होंने माँ दंतेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। दंतेवाड़ा आगमन पर न्यू सर्किट हाउस में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा का आत्मीय एवं गरिमामय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती अपूर्वा दांगी, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, एसडीएम लोकांश एल्मा सहित न्यायालय एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गीदम समिति का तेंदूपत्ता 38 वर्षों में रिकॉर्ड दर पर बिका, 4 हजार संग्राहक परिवारों को मिलेगा बोनस का लाभ

16 जुलाई की ऑनलाइन निविदा में ?10,909 प्रति मानक बोरा तक मिली कीमत, प्रदेश की सर्वाधिक दर पाने वाली समितियों में शामिल

दंतेवाड़ा/ गीदम । गीदम प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति ने तेंदूपत्ता विक्रय में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा 16 जुलाई को आयोजित ऑनलाइन निविदा में समिति का शासकीय संग्रहण तेंदूपत्ता ?10,609 एवं ?10,909 प्रति मानक बोरा की रिकॉर्ड दर पर बिका। वर्ष 1988 में समिति की स्थापना के बाद 38 वर्षों में यह अब तक की सर्वाधिक विक्रय दर है। इस उपलब्धि से समिति प्रदेश में सबसे अधिक दर प्राप्त करने वाली समितियों में शामिल हो गई है। पिछले वर्ष 2025 में गीदम समिति का तेंदूपत्ता ?7,689 प्रति मानक बोरा की दर से बिका था। इस वर्ष दर में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी से समिति को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जिसका सीधा लाभ बोनस के रूप में समिति से जुड़े लगभग 4 हजार तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को मिलेगा। इससे वनाश्रित परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। समिति ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ), डीएफओ दंतेवाड़ा, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, जिला लघु वनोपज संघ, फड़ मुंशियों तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों को दिया है। समिति के अनुसार यह उपलब्धि सभी के सामूहिक प्रयास, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण कार्य का परिणाम है। डीएफओ दंतेवाड़ा ने समिति के अधिकारियों, कर्मचारियों और फड़ मुंशियों को बधाई देते हुए कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों का हित सर्वोपरि है। अधिक विक्रय दर का लाभ बोनस के रूप में सीधे संग्राहक परिवारों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी पारदर्शी व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण कार्य के माध्यम से संग्राहकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। जिला लघु वनोपज संघ द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण, बोनस, छात्रवृत्ति, बीमा तथा अन्य लघु वनोपज संबंधी योजनाओं का संचालन पिछले कई वर्षों से ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। राज्य शासन की डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) व्यवस्था के तहत संग्राहकों के बैंक खातों में राशि सीधे जमा की जाती है, जिससे भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बनी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामू नेताम का बयान राजनीतिक हताशा और भ्रम का प्रतीक है।

कांग्रेस पर राम मंदिर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाने वाले रामू नेताम का बचकाना बयान - विमल सलाम

दंतेवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामू नेताम का बयान राजनीतिक हताशा और भ्रम का प्रतीक है। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री विमल सलाम ने रामू नेताम के आरोपों का करारा जवाब देते हुए कहा रामू नेताम जी को याद दिलाना चाहता हूँ कि राम मंदिर का निर्माण भाजपा की नहीं, पूरे हिंदू समाज की आस्था का प्रतीक है। कांग्रेस ने कभी भी भगवान श्री राम का विरोध नहीं किया। उल्टा, कांग्रेस शासनकाल में ही अयोध्या विवाद को सुलझाने के प्रयास किए गए थे। आज जब राम मंदिर बन चुका है, तो भाजपा इसे अपना व्यक्तिगत जश्न समझ रही है।

विमल सलाम ने आगे कहा

कथित चंदा चोरी के मामले में जांच की मांग करना अनैतिक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती है। जब लाखों-करोड़ों रुपये की चंदा राशि का हिसाब-किताब जनता को नहीं मिल रहा है, तो सवाल उठाना हर जागरूक नागरिक का अधिकार है। रामू नेताम जी को आस्था की बात करनी है तो पहले उन लोगों का हिसाब बताएं जिन्होंने राम मंदिर के नाम पर चंदा इकट्ठा किया। पलटवार करते हुए विमल सलाम ने कहा कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया, बल्कि सदैव सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की कोशिश की।भाजपा राम मंदिर को वोट बैंक बनाने का साधन बना रही है, जबकि कांग्रेस राम के सच्चे भक्तों की भावनाओं का सम्मान करती है।चंदा चोरी के आरोपों पर सही जांच होनी चाहिए, न कि राजनीतिक बचाव।रामू नेताम जैसे लोग आस्था का नाम लेकर भाजपा की असफलताओं से ध्यान भटका रहे हैं।

विमल सलाम ने स्पष्ट चेतावनी दी

कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरी तरह सतर्क है। हम राम मंदिर की आस्था को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देंगे, लेकिन चंदे के नाम पर होने वाले किसी भी घोटाले को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा अपनी असफलताएं छुपाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगाना बंद करे।

संक्षिप्त समाचार

जांजगीर नगर की मेधावी छात्रा पीहू सिंघानिया ने भारत के इन द्वय कठिन प्रतियोगी परीक्षाएँ NEET एवं JEE (Main एवं Advanced) दोनों एक साथ प्रथम प्रयास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर की उत्तीर्ण

जांजगीर-चांपा/ जांजगीर नगर की मेधावी छात्रा इंजीनियर राजकुमार सिंघानिया की बिटिया पीहू सिंघानिया ने चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश हेतु चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के भारत की सबसे

कठिनतम प्रतियोगी परीक्षा NEET में प्रथम प्रयास में ही 666/720 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 653 स्थान हासिल कर कीर्तिमान उपलब्धि प्राप्त की हैं साथ ही इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश हेतु देश की सबसे कठिनतम प्रतियोगी परीक्षा JEE में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश हेतु अपनी पात्रता सिद्ध कर नगर ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जिले को गौरवान्वित की है बिटिया ओडिशा की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था डीएवी पब्लिक स्कूल भुवनेश्वर से 12वीं मे 95.4त्न प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पढ़ाई के दौरान ही बिटिया ने भारत के इन द्वय कठिन प्रतियोगी परीक्षाएँ NEET एवं JEE (Main एवं Advanced) दोनों एक साथ उत्तीर्ण कीं। बिटिया ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई रायगढ़ के तमनार स्थित जिंदल स्कूल से की इनके पिता इंजी. राजकुमार सिंघानिया तमनार स्थित जिंदल पावर प्लांट में 20 वर्षों के सेवा उपरांत उपमहाप्रबंधक पद से स्वेच्छा सेवानिवृत्त लेने के पश्चात से बिटिया 10वीं की पढ़ाई करियर प्वाइंट, बिलासपुर से 93.4त्न उत्कृष्ट अंक से उत्तीर्ण की विदित हो की इनके पिता इंजी. सिंघानिया इंजीनियरिंग की शिक्षा पूर्ण कर प्रकाश इंडस्टीज चांपा से अपने कैरियर की शुरुआत किए थे बिटिया ने भी अपने पिता के लक्ष कदम पर चलकर द्वय जटिल प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन की बिटिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती बबीता सिंघानिया, अपने आदर्श पिता इंजी. राजकुमार सिंघानिया एवं गुरुजनों के अद्भुत मार्गदर्शन से उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है

लगभग छह लाख पेंशनर के हित में बड़ा निर्णय दोनों राज्यों के पेंशनर को महंगाई राहत भत्ता एवम् अन्य सभी स्वत्त्व के भुगतान हेतु विलंब का सामना नहीं करना पड़ेगा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रगति शील पेंशनर कल्याण संघ ने

मध्यप्रदेश एवम् छत्तीसगढ़ राज्य सरकार एवम् शासन द्वारा ख्द्धद्बह्लद्व ऊँचास छह मै सहमती की कंडिका को विलोपित कर लगभग छह लाख पेंशनर के हित में बड़ा निर्णय लिया है इस निर्णय से जहां दोनों राज्यों के पेंशनर को महंगाई राहत भत्ता एवम् अन्य सभी स्वत्त्व के भुगतान हेतु विलंब का सामना नहीं करना पड़ेगा वहीं दूसरी तरफ दोनों राज्यों में स्वतंत्रता निर्णय लेने हेतु आत्म निर्भर होंगे । लेख है कि यह सफलता लगभग 25वर्षो से लगातार संघर्ष करते हुए जिसमें मध्यप्रदेश से 11पेंशनर संगठन एवम् छत्तीसगढ़ राज्य से 6पेंशनर संगठन ने संयुक्त रूप से मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ पेंशनर फेडरेशनका गठन किया था जिसके बैनर में अनेनाक संघर्ष किए गए इस आंदोलन को राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट पेंशनर फेडरेशन ने अपना योगदान हर संभव दिया है

दुर्घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल और घटनास्थल पहुंचीं कलेक्टर जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

बलरामपुर: संयुक्त जिला कार्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर गिट्टी से भरा एक डंपर

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान की दीवार से जा टकराया। दुर्घटना में घर में मौजूद एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जबकि चार गायों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचीं और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी दुर्घटनास्थल पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर विशेष रूप से घायल परिवार की महिला श्रीमती लालमुनि से मुलाकात कर घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। जिला प्रशासन द्वारा पूरे मामले पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

बाल विवाह पर होगी कठोर कार्यवाही

दो वर्ष कारावास एवं एक लाख जुर्माने का प्रावधान

- देवनगर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित
- बालिका शिक्षा, बाल संरक्षण, पॉक्सो एवं साइबर सुरक्षा पर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

सूरजपुर संवाददाता/ जिला कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बालिका शिक्षा, बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण एवं अन्य सामाजिक विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवनगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल ने कहा कि बाल विवाह केवल सामाजिक अभिशाप ही नहीं, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने, कराने, सहयोग करने अथवा उसमें शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए दो वर्ष तक के कारावास एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की कि बालिकाओं का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात ही किया जाए तथा उससे पूर्व उन्हें शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। श्री जायसवाल ने

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह कानून बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया है। किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अनुचित स्पर्श, अश्लील इशारे, पीछा करना, अश्लील चित्र या वीडियो दिखाना अथवा रास्ता रोकने जैसी घटनाएं इस अधिनियम के अंतर्गत गंभीर एवं गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आती हैं। उन्होंने बालिकाओं से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर तत्काल अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दें। साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया का उपयोग आवश्यकतानुसार तथा अभिभावकों की निगरानी में ही किया जाना चाहिए। उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से होने वाली ऑनलाइन ठगी एवं व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी। छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि टोनही जैसी अवधारणाएं पूर्णतः अंधविश्वास पर आधारित हैं तथा इस प्रकार की प्रताड़ना कानूनन दंडनीय एवं गैर-जमानती अपराध है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने एवं वैज्ञानिक सोच अपनाने का आह्वान किया। यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित आयु पूर्ण होने एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किए बिना किसी भी प्रकार का वाहन नहीं चलाना चाहिए, तथा नाबालिग द्वारा वाहन चलाने से दुर्घटना होने की स्थिति में वाहन स्वामी एवं अभिभावकों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा छत्तीसगढ़ (युवा प्रकोष्ठ) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बने राम सजीला यादव, संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा

सूरजपुर संवाददाता अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा, छत्तीसगढ़ ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राम सजीला यादव को युवा प्रकोष्ठ का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष (सदस्य, प्रदेश समन्वय समिति) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष भुनेश्वर यादव द्वारा राष्ट्रीय महासचिव बलवीर सिंह यादव, राष्ट्रीय महासचिव मनोज यादव, प्रभारी छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय सचिव डी.आर. यादव, राष्ट्रीय सचिव एस.डी. यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष देवधारी यादव तथा सरगुजा संभाग अध्यक्ष परमानंद यादव की अनुशंसा पर की गई है। नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राम सजीला यादव ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को संगठन से जोड़ने, समाज में एकता एवं भाईचारे को सुदृढ़ करने तथा संगठन को प्रदेशभर में और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा,

ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि राम सजीला यादव के नेतृत्व में युवा प्रकोष्ठ नई ऊर्जा और उत्साह के साथ कार्य करेगा तथा समाजहित के कार्यक्रमों को नई गति मिलेगी। उनकी नियुक्ति पर प्रदेशभर के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

सीएम हेल्पलाइन से पूरी हुई वर्षों की उम्मीद, मजदूर परिवार को अब मिलेगा हर महीने राशन जनकल्याणकारी योजनाओं का भी मिलेगा लाभ

बलरामपुर, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिले में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड राजपुर के ग्राम भिलाईखुर्द निवासी श्रीमती वर्षा ने राशन कार्ड नहीं बनने की समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। श्रीमती वर्षा मजदूर परिवार से हैं। राशन कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न के साथ-साथ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत प्राप्त होते ही गंभीरता से लेते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पात्रता का त्वरित परीक्षण कर शीघ्र ही श्रीमती वर्षा का राशन कार्ड बनाकर उन्हें उपलब्ध करा दिया गया। राशन कार्ड मिलने के बाद श्रीमती वर्षा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके परिवार को नियमित रूप से शासकीय उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त

किया। गौरतलब है कि कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन केवल शिकायत दर्ज कराने का माध्यम न रहकर आम नागरिकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान हो रहा है। जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास और मजबूत हो रहा है।

अवैध खनिज परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 1 टिप्पर और 3 ट्रैक्टर जब्त

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ सरकार की अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने सघन जांच अभियान चलाते हुए अवैध खनिज परिवहन में लगे 1 टिप्पर और 3 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। सभी वाहनों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने सिलपहरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर, सधवानी क्षेत्र में गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर तथा भदौरा क्षेत्र में मिट्टी-मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 1 टिप्पर जब्त किया। प्रशासन ने बताया कि निर्धारित अर्थदंड एवं समझौता राशि जमा किए जाने के बाद ही नियमानुसार जब्त वाहनों को छोड़ा जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और शासकीय राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खनिज संपदा के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और पारदर्शी खनिज प्रबंधन को प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से जिलों में नियमित निगरानी, सघन जांच और त्वरित कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं

सरगुजा पुलिस द्वारा मुसाफिर चेकिंग का सघन अभियान जारी,फल ठेला,चाय नास्ता ठेला,पर पुलिस की पैनी नजर

- डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा चलाया गया किरायदार एवं मुसाफिर चेकिंग अभियान
- पुलिस टीम द्वारा न्यायालय परिसर, कलाकेंद्र परिसर के आस पास, भट्ठी रोड एवं चौक चौराहो में की गई सघन चेकिंग

अंबिकापुर/डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे किरायदारो एवं मुसाफिरो की जाँच कर थाना /चौकी में मुसाफिरी दर्ज कराने एवं बिना भौतिक सत्यापन के छेत्र में घूम रहे अथवा रह रहे संदिग्धो पर सख्ती से विधिसम्मत कार्यवाही किये जाने हेतु

निर्देशित किया गया था। निर्देशों के परिपालन में आज दिनांक को थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा सघन मुसाफिर चेकिंग अभियान चलाई गई, इस दौरान फल ठेला संचालको, छोटे गुमटीयो, चाय नास्ता होटेलों में पुलिस पहुंची एवं उक्त ठेलो में काम करने वाले लोगो अथवा संचालको से गहन पूछताछ किया गया। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा न्यायालय परिसर, कलाकेंद्र परिसर के आस पास, भट्ठी रोड के छेत्र में चेकिंग की गई, अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा किराये के मकानों में निवासरत व्यक्तियों के पहचान पत्र का आवश्यक सत्यापन किया गया, सत्यापन पश्चात आस पास के निवासरत लोगो को अपने छेत्र मे बाहरी व्यक्तियों के निवास करने की सुचना तत्काल पुलिस को देने की समझाईस दी गई। सरगुजा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपके आसपास अवैध रूप से रह रहे, छिप कर रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों/मुसाफिरो के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर उक्त सूचना को त्वरित रूप से सरगुजा पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 9479193599 अथवा डायल 112 पर प्रदाय करें, जिससे सूचना की तस्दीकी एवं वैधानिक कार्यवाही पुलिस टीम द्वारा किया जा सके, सूचना देने वाले व्यक्तियों की जानकारी पुलिस टीम द्वारा पूर्णत: गोपनीय रखी जायगी।

शासकीय हाई स्कूल करहनी में मासिक धर्म जागरूकता एवं नि:शुल्क सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम आयोजित..

मरवाही, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के प्रति जागरूक करने, मासिक धर्म से जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित मासिक धर्म प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मदद मीनार फाउंडेशन एवं एनएफआई (NFI) के संयुक्त प्रयास से शासकीय हाई स्कूल करहनी, विकासखंड मरवाही में मासिक धर्म जागरूकता एवं नि:शुल्क सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती रानी शिखा सिंह रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन की एक स्वाभाविक एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है। इस विषय पर समाज में व्याप्त झिझक एवं भ्रांतियों को समाप्त करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं से स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, सही जानकारी अपनाने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में बिना संकोच अपने अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से सलाह लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मदद मीनार फाउंडेशन के चेयरपर्सन श्री इरशाद अहमद कुरैशी एवं सचिव श्री धीरज सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि किशोरियों का स्वास्थ्य, शिक्षा और सम्मान समाज के समग्र विकास का आधार है तथा संस्था भविष्य में भी महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम का मुख्य जागरूकता सत्र सुश्री श्रुति एवं सुश्री गीता द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म के

दौरान अपनाई जाने वाली व्यक्तिगत स्वच्छता, सैनिटरी पैड के सही एवं सुरक्षित उपयोग, समय-समय पर पैड बदलने की आवश्यकता, संक्रमण से बचाव, संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम तथा मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक मिथ एवं वैज्ञानिक तथ्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही छात्राओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। जागरूकता सत्र के उपरांत सभी छात्राओं को नि:शुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री धर्मेंद्र कुमार कुर्रे, श्री अमलेश कुमार ध्रुव (व्याख्याता), श्री विजय कुमार कोरी (व्याख्याता), श्रीमती चित्रलेखा राजवाड़े (व्याख्याता) एवं श्री सौरभ श्रीवास (सहायक शिक्षक) सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम किशोरियों में आत्मविश्वास बढ़ाने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा मासिक धर्म से जुड़े सामाजिक संकोच को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कार्यक्रम मदद मीनार फाउंडेशन एवं एनएफआई (NFI) के संयुक्त प्रयास एवं सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्था ने भविष्य में भी किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सशक्तिकरण के लिए ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

ऑटो में रखे बैग से लाखों के सोने के जेवर गायब, सीसीटीवी में चालक पर चोरी का आरोप

बिलासपुर। जिले के चकरभाठा थाना क्षेत्र में ऑटो रिक्शा में रखे बैग से सोने के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम बुंदेला निवासी भगवती कौशिक (29) ने शिकायत में बताया कि 15 जुलाई को वह अपनी बड़ी बहन और बुआ के साथ ऑटो से अमेरी जा रही थीं। रास्ते में चकरभाठा स्थित ओम साईराम ज्वेलर्स के सामने ऑटो चालक गेदराम निराला के कहने पर उन्होंने अपना बैग ऑटो में ही छोड़ दिया और कृष्णा सोसायटी में सामान खरीदने चली गईं। करीब डेढ़ घंटे बाद तीनों वापस लौटीं और उसी ऑटो से अमेरी पहुंच गईं। अगले दिन बैग की जांच करने पर उसमें रखा करीब 15 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र, सोने के ईयर रिंग और सोने का चोकर माला गायब मिला। पीड़िता का आरोप है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर ऑटो चालक उनकी गैरमौजूदगी में बैग से जेवर निकालते हुए दिखाई दिया। इसके बाद जब उन्होंने चालक से पूछताछ की तो उसने पहले टालमटोल की और बाद में जेवर लौटाने का आश्वासन दिया। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने गांव के सरपंच प्रतिनिधि के सामने चोरी की बात स्वीकार करते हुए जेवर के बदले नकद राशि या अन्य गहने देने की पेशकश की।

जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और धार्मिक मान्यताएं

जगन्नाथ मंदिर में 22 सीढ़ियां क्यों हैं?

पुरी (ओडिशा) के श्री जगन्नाथ मंदिर में 22 सीढ़ियां (बाईस पहाचा) हैं। ये सीढ़ियाँ सामान्य मार्ग नहीं बल्कि आध्यात्मिक यात्रा की प्रतीक हैं। इन्हें पार करने से मनुष्य सांसारिक बंधनों और विकारों (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) से मुक्त होकर मोक्ष की ओर बढ़ता है। इन 22 सीढ़ियों के पीछे कई महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं -

सांसारिक बंधन और मोक्ष:
कुल 22 सीढ़ियों की संख्या इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य को 7 लोक, 7 पाताल और 8 बैकुंठ—इन कुल 22 आयामों या लोकों से पार जाना होता है, तब जाकर वह परम ब्रह्म तक पहुंच सकता है।

वेदों और पुराणों का ज्ञान:
कुछ विद्वानों के अनुसार ये 22 सीढ़िया 4 वेदों और 18 पुराणों (4 + 18 = 22) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

यम शिला (तीसरी सीढ़ी का रहस्य): इन सीढ़ियों में नीचे से तीसरी सीढ़ी को बहुत खास और रहस्यमयी माना जाता है। इसे 'यम शिला' कहा जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इस सीढ़ी पर मृत्यु के देवता यमराज का वास है। मान्यता है कि मंदिर से लौटते समय यदि इस सीढ़ी पर पैर रखा जाए, तो व्यक्ति के जीवन भर के पुण्य नष्ट हो जाते हैं। इसलिए भक्तजन भूलकर भी इस सीढ़ी पर पैर रखने से बचते हैं और इसे पार करते हुए माथा टेकते हैं।

मानव जीवन के 22 विकार:
आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ये 22 सीढ़ियां मानव मन की 22 बुराइयों और कमजोरियों को दर्शाती हैं। भक्त जैसे-जैसे एक-एक सीढ़ी ऊपर चढ़ता है, वैसे-वैसे वह इन बुराइयों को पीछे छोड़ता हुआ ईश्वर के करीब और शुद्ध होता जाता है।

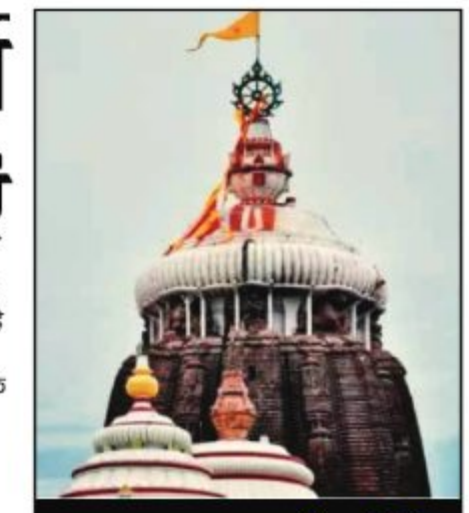

जगन्नाथ पुरी मंदिर का ध्वज उल्टा क्यों लहराता है?

पुरी (ओडिशा) के जगन्नाथ मंदिर के ध्वज (पताका) का हवा के विपरीत दिशा में लहराना एक बड़ा रहस्य और आस्था का प्रतीक है। इसे लेकर धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों मान्यताएं प्रचलित हैं।

धार्मिक मान्यता:

पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र की लहरों के शोर से भगवान जगन्नाथ को विश्राम में परेशानी होती थी। तब उनके भक्त पवनपुत्र हनुमान जी ने समुद्र से शोर कम करने को कहा था। समुद्र के असमर्थता जताने पर हनुमान जी ने हवा का रुख ही बदल दिया। यही कारण है कि मंदिर के अंदर समुद्र की आवाज सुनाई नहीं देती और ध्वज विपरीत दिशा में लहराता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण:

कुछ वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का मानना है कि यह घटना 'एरोडायनामिक्स' (Aerodynamics) के नियमों पर आधारित है। समुद्र के किनारे स्थित मंदिर की बनावट कुछ इस तरह है कि इसमें वर्टिकल और सर्कुलर चैनल बने हुए हैं। जब तेज हवाएं इन खांचों से टकराकर ऊपर उठती हैं, तो एक लो-प्रेशर या 'वर्टेक्स जोन' बनता है। इस दबाव और टर्बुलेंस के कारण हवा का बहाव चक्र की तरह घूमता है, जो झंडे को सामान्य हवा की दिशा के उल्टे लहराने पर मजबूर कर देता है।

यह मंदिर अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला और चमत्कारों के लिए जाना जाता है, जहाँ का ध्वज पिछले कई वर्षों से प्रतिदिन शाम को एक पुजारी द्वारा बदला जाता है। इस परंपरा के बारे में अधिक जानने के लिए आप ओडिशा पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

घर में भूलकर भी इन जगहों पर न रखें दवाईयां...

आजतौर पर कई लोग अपनी दवाईयों को घर में किसी भी स्थान पर रख देते हैं। हालांकि, वास्तु शास्त्र में दवाईयों को रखने के लिए भी कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि यदि दवाईयों को गलत स्थान पर रखा जाए, तो इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि घर के वातावरण पर भी पड़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, मानसिक तनाव बना रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच छोटी-छोटी बातों पर कलह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए वास्तु के अनुसार दवाईयों को सही स्थान पर रखना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं कि किन स्थानों पर भूलकर भी दवाईयां नहीं रखनी चाहिए।

रसोई घर में न रखें दवाईयां
वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई घर को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, क्योंकि यहां अन्न तैयार होता है। ऐसे में रसोई में दवाईयां रखना शुभ नहीं माना जाता।
मान्यता है कि ऐसा करने से घर में बीमारियों का सिलसिला बना रह सकता है। इसके अलावा आपके घर की खुशियों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। आप यहां दवाईयां न रखें।

पूजा घर से अलग स्थान पर रखें
वास्तु के अनुसार, घर में दवाईयों को पूजा घर से अलग रखना चाहिए। आप इन्हें घर की किसी अलग और व्यवस्थित अलमारी में रख सकते है। इसके अलावा दवाईयों को उत्तर-पूर्व दिशा में रखना उचित होता है।

सिरहाने न रखें दवाईयां
कुछ लोग सोते समय सिरहाने के पास दवाईयां रख लेते हैं, जिसे वास्तु शास्त्र में उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि, इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और व्यक्ति मानसिक तनाव, बेचैनी तथा चिंता से घिरा रह सकता है। साथ ही व्यक्ति बार-बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से घिरा रह सकता है।
इसलिए दवाईयों को बिस्तर के पास या सिरहाने रखने से बचें।

धन के स्थान पर भूलकर भी न रखें दवाईयां
वास्तु शास्त्र के अनुसार, जहां आप धन या कीमती सामान रखते हैं, वहां दवाईयां रखना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि, इससे आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती है और धन का अनावश्यक खर्च, विशेष रूप से इलाज और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों में, अधिक होने लगता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए प्रेम जीवन में खुशियां लेकर आ सकता है। रिश्तों में प्रेम बना रहेगा। अगर पहले किसी बात को लेकर मनमुटाव था, तो आज उसे दूर करने का मौका मिल सकता है। शाम को घूमने जा सकते है।छोटी-छोटी योजनाओं से भी अच्छा आर्थिक लाभ मिलने के संकेत है। व्यापार में सफलता आपके कदम चूम सकती है, हालांकि प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता बढ़ा सकता है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालो के प्रेम जीवन मे आज खुशिया बनी रहेंगी। रिश्तों में ताजगी और नई ऊर्जा महसूस होगी। आपका पार्टनर के साथ आपसी तालमेल पहले से बेहतर रहेगा। इसके अलावा साथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते को और मजबूत बनाएगा। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक मामले में हल्की परेशानी आ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर खुल सकते हैं और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का भी आनंद मिलेगा।

मिथुन राशि - आज साथी के लिए कोई उपहार भी खरीद सकते हैं। दिल की बातें साझा करने का मौका मिल सकता है। सिंगल लोगों के लिए नए रिश्ते की शुरुआत संभव है, बस सोच-समझकर आगे बढ़ें। रिश्तों में आपके प्रयास सफल होंगे।यदि किसी काम को लेकर परेशानी चल रही थी, तो उसका समाधान भी धीरे-धीरे सामने आता नजर आएगा। माता-पिता की सेवा और उनका आशीर्वाद आपको मानसिक शांति के साथ सफलता भी दिलाएगा।

कर्क राशि - कर्क राशि वालो के विवाह योग बन सकते है। प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पुराने विवाद खत्म हो सकते हैं और रिश्ते में संतुलन व मिठास बढ़ेगी। साथी के साथ विश्वास और समझ पहले से मजबूत होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की संभावना भी बन रही है। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है।

सिंह राशि - सिंह वालों को दिन की शुरुआत में साथी की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है। आप दोनों के बीच बेहतर समझ और गहरे एहसास रिश्ते को और खास बनाएंगे। आज घर पर भी साथी के बारे में बात कर सकते हैं। अपने कामों में पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखें। विरोधियों की बातों में आकर कोई निर्णय न लें। किसी सरकारी मामले को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, जिसे समय रहते सुलझाना बेहतर रहेगा।

कन्या राशि - तुला राशि वालों के लिए दिन खास रहेगा, क्योंकि साथी के साथ यादगार पल बिताने का अवसर मिल सकता है। करियर की किसी बड़ी उपलब्धि का जश्न मना सकते हैं। आप दोनों बाहर घूमने जाएंगे। कुल मिलाकर रिश्तों में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से दिन बेहद यादगार बन सकता है।

तुला राशि-करियर के लिहाज से आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी और मन भी हल्का महसूस करेगा। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का माहौल रहेगा। अपने कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, इससे सफलता जल्दी मिलेगी। परिवार में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे, तो बातचीत के जरिए उन्हें आसानी से दूर किया जा सकता है।

वृश्चिक राशि - आज कोई नौकरी या व्यापार से जुड़ी कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। इस खुशी में साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपके जीवन में एक नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है। जो लोग पहले से रिश्ते में हैं, उनके बीच नजदीकियां बढ़ेंगी। पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें।

धनु राशि- धनु राशि वालो के लिए दिन नए बदलाव लेकर आएगा। जो लोग सिंगल है, उन्हें शादी का प्रस्ताव मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। दिल की बात कहने के लिए दिन अनुकूल रहेगा इसलिए सतर्क रहें। नए कार्य की शुरुआत के लिए समय अनकूल है। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए दिन शुभ होगा। आपका सकारात्मक रवैया आपके रिश्ते को और भी खूबसूरत बना सकता है। रिश्तों में विश्वास मजबूत होगा। प्रेम जीवन में खुशियों का माहौल बना रहेगा।राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने के संकेत हैं। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ें और उन्हें दोहराने से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में और मधुरता आएगी।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों की साथी से बात होगी और पुराने मामले हल होंगे। अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने से आपका रिश्ता और भी गहरा होगा। साथी आपकी बातों को समझने की पूरी कोशिश करेगा। लंबे समय से रुका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपके कई अधूरे कार्यों को पूरा कराने में मददगार साबित होगा।

मीन राशि- रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए किए गए आपके प्रयास सुखद परिणाम देंगे। प्रेम जीवन में संतोष और खुशियों का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें और सुनी-सुनाई बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी अड़चन दूर हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और सामंजस्य बना रहेगा।

सावन में प्याज-दही खाने से क्यों बचते हैं लोग?

प्याज और दही ना खाने की धार्मिक मान्यता

सावन के महीने को सबसे पावन माना जाता है। हिंदू धर्म के मुताबिक ये महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस महीने में भक्त भोलेनाथ की आराधना करते हैं और उनका आशीर्वाद पाने की कोशिश करते हैं। इस महीने के अपने कुछ नियम होते हैं जिनका पालन करना जरूरी होता है। सावन के महीने में अधिकतर लोग सात्विक खाना खाते हैं और प्याज-लहसुन से दूरी बना लेते हैं। इसके अलावा कुछ दही भी अवॉइड करते हैं। क्या आप जानते हैं इस महीने में इन चीजों को अवॉइड करने की वजह क्या है? नहीं तो यहां जानिए प्याज और दही सावन के महीने में ना खाने मान्यता और वैज्ञानिक कारण।

दही ना खाने के कारण
बरसात के मौसम में बहुत ज्यादा नमी और तापमान में बदलाव के कारण कुछ लोगों में दही खाने से बलगम, गले की तकलीफ या पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। हालांकि, अगर दही ताजा हो और व्यक्ति को कोई समस्या न हो, तो अधिकांश इसे सीमित मात्रा में खाना सेफ माना जाता है।

सावन में प्याज ना खाने के कारण
प्याज में कोई ऐसा वैज्ञानिक तत्व नहीं है जो सावन में उसे हानिकारक बना देता हो। वैज्ञानिक रूप से प्याज में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और कई पोषक तत्व होते हैं। अगर यह स्वच्छ और ताजा हो, तो इसे खाने से कोई खास मौसमी नुकसान नहीं होता।

सावन का महीना भोलेनाथ की पूजा करनो के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। बहुत से लोग इस महीने में व्रत रखते हैं और सात्विक खाना खाते हैं। ऐसे में प्याज और लहसुन को तामसिक या राजसिक माना जाता है, इसलिए इन्हें मन की शांति और संयम बनाए रखने के लिए त्यागा जाता है। वहीं सावन में दही और कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि जो पवित्र चीजें भगवान को अर्पित कर दी जाती हैं, उन्हें खुद नहीं खाया जाना चाहिए।

सफल और आत्मनिर्भर बनने के उपाय

1. कम्युनिकेशन स्किल्स
सफल और आत्मनिर्भर बनने के लिए आपको रोजाना अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स पर काम करना पड़ेगा। इससे आपके अंदर गजब का एक आत्मनिर्भर बनने का हौसला बढ़ेगा। अपनी बात स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ रखना बेहद ही जरूरी होता है।

2. डिजिटल स्किल्स सीखना
अगर आप खुद को हर किसी से आगे रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सबसे पहले आपको डिजिटल स्किल्स सीखना भी बेहद ही जरूरी होता है। डिजिटल मार्केटिंग, वीडियो एडिटिंग और सोशल मीडिया मैनेजमेंट जैसी चीजों को सीखना भी बेहद ही जरूरी है।

3. टाइम मैनेजमेंट
अगर आप खुद को एक सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो आपको टाइम मैनेज करना आना ही चाहिए। सफल लोग समय का सही इस्तेमाल करना बेहद ही अच्छे से जानते हैं। आप अपने दिन की सही प्लानिंग करेंगे तो कम समय में ज्यादा काम आप अच्छे से कर पाएंगे और ज्यादा से ज्यादा चीजों को समझ पाएंगे।

बरसात में सर्दी-खांसी से खुद करें बचाव

बरसात का मौसम सभी लोगों को खूब पसंद होता है, लेकिन इसके साथ-साथ शरीर में कई तरह-तरह की दिक्कतें होनी शुरू हो जाती हैं, जिससे लोग काफी ज्यादा परेशान रहते हैं। कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां को भी लेकर आता है। इस मौसम में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलता है और फिर ये दिक्कत और ज्यादा बढ़ती ही जाती है।

सर्दी, खांसी, गले में खराश, वायरल बुखार और मौसमी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी मौसमी संक्रमण के खतरे से बचना चाहते हैं, तो आइए आपको स्पेशल काढ़े के बारे में बताते हैं, जिसको बनाकर आप पिएंगे, तो काफी ज्यादा फायदा आपको हो सकता है।

- आपको अदरक, तुलसी और काली मिर्च का काढ़ा बनाकर पीना चाहिए। ये आपकी हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। अदरक में मौजूद जिंजरोल, तुलसी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और काली मिर्च में मौजूद पाइपरीन शरीर की कई सारी दिक्कतों को दूर करते हैं।
- बरसात में बदलते मौसम के कारण अधिकतर लोगों को गला खराब होना और खांसी की समस्या काफी ज्यादा हो जाती है, अगर आप भी इस समस्या से काफी ज्यादा परेशान हैं और जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आप इन चीजों से बना काढ़ा पी सकते है।
3. तुलसी और अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपकी शरीर की सारी गंदगी को बाहर और साथ ही साथ शरीर को संक्रमण से लड़ने में भी मदद करता है। नियमित रूप से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी ज्यादा मजबूत होती है।
- बरसात के मौसम में पाचन संबंधी समस्याएं भी काफी ज्यादा होने लग जाती है, अगर आप भी इससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो ये काढ़ा आपके लिए एकदम बेस्ट माना जाता है। गैस, अपच जैसी परेशानियों को कम करने में ये मददगार साबित होता है।

जीवन में रामायण के आदर्शों की आवश्यकता

संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी 'श्री राम कथा बोध' में पूजनीय दादाश्री ने कहा "जब प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में श्रीराम जागृत होंगे और उनके विचारों एवं आदर्शों का आचरण जीवन में प्रारंभ होगा, तभी देश में वास्तविक अर्थों में रामराज्य की स्थापना होगी।" उन्होंने समाज परिवर्तन के लिए प्रत्येक व्यक्ति से अपने जीवन में रामायण के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। ऑनलाइन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 100 विजेताओं का सम्मान समारोह हाल ही में दादर स्थित प्राचार्य बी. एन. वैद्य सभागार में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। देशभर से आए विजेताओं एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों के कारण सभागार खचाखच भरा हुआ था।

समारोह में मैत्री व परिवार के संस्थापक एवं मार्गदर्शक पूजनीय दादाश्री तथा इस्कॉन के ट्रस्टी प्रभु माधवानंद दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रभु माधवानंद दास ने भारतीय संस्कृति एवं धर्मग्रंथों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "अपनी संस्कृति, जीवन मूल्यों और धर्मग्रंथों के प्रति अटूट श्रद्धा होना आवश्यक है। श्रीमद् रामायण कोई काल्पनिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन की दिशा दिखाने वाला तथा मानवीय मूल्यों का शाश्वत दर्शन प्रस्तुत करने वाला महान ग्रंथ है।" उन्होंने भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को समय की आवश्यकता बताया।इस कार्यक्रम में इंडियन एजुकेशन सोसायटी स्कूल समूह के ट्रस्टी श्री सतीश नायक, सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री प्रवीणभाई मेहता, कन्या फैशन उद्योग समूह के निदेशक श्री गोविंदभाई पटेल, विश्व हिंदू परिषद के श्री राजेंद्र पवार, श्री बाबुभाई पटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रतियोगिता के प्रथम 100 विजेताओं को

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के बालराम स्वरूप की प्रतिमा एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस सम्मान से विजेताओं के चेहरे पर विशेष प्रसन्नता और संतोष स्पष्ट दिखाई दे रहा था।देशभर से लगभग दो लाख प्रतिभागियों ने इस अभिनव ऑनलाइन प्रतियोगिता में भाग लिया था। इनमें से शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रथम 100 प्रतिभागियों का चयन कर उनका विशेष सम्मान किया गया।

आयोजकों के अनुसार भारतीय संस्कृति, रामायण के अध्ययन तथा जीवन मूल्यों के प्रति युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता को देशभर से उत्साहपूर्ण प्रतिसाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तुत रामायण पर आधारित नृत्य-नाटिका ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली एवं कलात्मक मंचन दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक श्रीमती अलका गोडबोले ने प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन श्रीमती राजश्री माने ने अत्यंत प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न किया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान का यह अभिनव उपक्रम भारतीय संस्कृति, रामायण तथा जीवन मूल्यों के प्रति नई पीढ़ी में जागरूकता उत्पन्न करने में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

PSC, व्यापमं, TD एग्जाम के बाद Kalyan College को मिली Open University एंट्रेंस टेस्ट की मेजबानी

कल्याण कॉलेज में लगातार सफलतमपूर्वक हो रहे एंट्रेंस और रिक्रूटमेंट टेस्ट

दो शिफ्ट में करीब 600 परीक्षार्थी हुए शामिल, 65 प्रोफेसर्स ने संभाला मोर्चा

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। कॉलेज में लगातार महत्वपूर्ण परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ सहित देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ ही तमाम विश्वविद्यालयों के एंट्रेंस टेस्ट से लेकर रिक्रूटमेंट परीक्षाओं का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के एंट्रेंस टेस्ट के लिए भी कल्याण कॉलेज में एग्जाम सेंटर बनाया गया। रविवार को कल्याण कॉलेज में एक और परीक्षा का सफलतम आयोजन संपन्न हुआ।

कल्याण कॉलेज में रविवार को पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया गया। हम आपको बता दें कि बिलासपुर स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा विवि छत्तीसगढ़ राज्य का एकमात्र शासकीय मुक्त विश्वविद्यालय है। मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए कल्याण कॉलेज में दो शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की गई।

करीब 600 परीक्षार्थी हुए शामिल – पहले शिफ्ट में प्री-बीएड टेस्ट आयोजित किया गया। पहले शिफ्ट के तीन सौ परीक्षार्थियों में से 271 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 29 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह दूसरे शिफ्ट में प्री-डी.एल.एड टेस्ट में 400 उम्मीदवारों के लिए बनाए गए केन्द्र में से 300 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 100 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सुबह दस से सवा 12 बजे तक आयोजित हुए पहले शिफ्ट में 26 प्रोफेसर्स वीक्षकीय कार्य में संलग्न रहे। जबकि दोपहर दो बजे से लेकर सवा चार बजे तक आयोजित किए गए द्वितीय शिफ्ट में 35 प्रोफेसर्स ने मोर्चा संभाला।

टीम की उल्लेखनीय भूमिका का है नतीजा– कल्याण कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने कहा कि निरंतर प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं का महाविद्यालय में आयोजन होना हम सब के लिए गर्व की बात है। हमारे अफसर, प्राध्यापक, वीक्षक और कर्मचारी हरेक परीक्षाओं में महती भूमिका निभाते है, जिसके चलते सभी परीक्षाएं हमारे महाविद्यालय में सफलतम ढंग से संपन्न हो रही है। इस परीक्षा में सहायक केन्द्राध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.गुणवंत चन्द्रौल के साथ ही डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह और डॉ.रवीश कुमार सोनी सहित अन्य प्राध्यापकों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

परीक्षार्थियों के लिए बढ़ गई सुविधाएं – इस परीक्षा में आंशिक बदलाव देखने को मिला। पूर्व की परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को प्रवेश के समय ही डॉक्यूमेंट्स परीक्षण के साथ ही आवश्यक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। लेकिन इस बार बॉयोमेट्रिक को हरेक कक्षा में कराया गया। परीक्षा हॉल में बॉयोमेट्रिक के लिए अलग से विवि स्तर पर टीम तैनात किया गया था। टीम के सदस्य क्रमबद्ध तरीके से एक-एक परीक्षार्थी के पास जाकर बॉयोमेट्रिक की प्रक्रिया पूरी करवाते गए। इससे अभ्यर्थियों का समय भी बचा और अनावश्यक प्रक्रियाओं से मुक्ति भी मिली। साथ ही बारिश से भी राहत मिली।

विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस प्रकरणों का होगा आपसी समझौते से निराकरण

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक बाउंस प्रकरण) से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित चेक बाउंस प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर शीघ्र, सरल एवं प्रभावी निराकरण कर पक्षकारों को दीर्घकालीन न्यायिक प्रक्रिया से राहत प्रदान करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने ऐसे सभी चेक धारकों, चेक जारीकर्ताओं, पक्षकारों तथा संबंधित अधिवक्ताओं से अपील की है कि जिनके धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं, वे अपने अधिवक्ता के माध्यम से अथवा संबंधित न्यायालय से संपर्क कर विशेष लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाएं तथा आपसी समझौते के माध्यम से अपने विवाद का स्थायी एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें। उक्त संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सम्पूर्ण दुर्ग जिले में विभिन्न माध्यमों से व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार भी किया गया है। विशेष लोक अदालत को सफल बनाने हेतु मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत तथा आकांक्षा राठौर एवं अंजली सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की विशेष टीम गठित की गई थी।

समस्याओं का निराकरण व शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना जनदर्शन का उद्देश्य : नीलू

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस अवसर पर प्राप्त विभिन्न आवेदनों का परीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करना तथा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आदरणीय विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे, यही जनदर्शन कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। जनदर्शन के दौरान नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। शर्मा ने विश्वास दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा आम जनता की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

जिले के 29 शासकीय स्कूलों में जर्जर शौचालयों की जगह बनेंगे अत्याधुनिक नए बालिका शौचालय

1.26 करोड़ रूपए से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति

दुर्ग। जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सुविधा और स्वच्छता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा एक बड़ी प्रशासनिक पहल की गई है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थित ऐसे 29 शासकीय विद्यालयों को चिन्हित किया गया था, जहाँ पुराने शौचालय पूर्णतः जर्जर और अनुपयोगी हो चुके थे। इन स्थानों पर अब स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा अन्य संबद्ध मदों के समन्वय से नए एवं सर्वसुविधायुक्त बालिका शौचालयों के निर्माण की मंजूरी दे दी गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बी.के. दुबे द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस समेकित परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक शौचालय के निर्माण पर कुल 4.37 लाख रूपए की लागत आएगी। इस प्रकार सभी 29 स्कूलों के लिए कुल 1 करोड़ 26 लाख 73 हजार की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है। सभी निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। ब्लॉकवार स्वीकृत शालाओं में दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत कुल 05 स्कूलों में नए बालिका शौचालयों के निर्माण की स्वीकृति मिली है, जिसकी कुल लागत 21.85 लाख रूपए है। जिनमें शासकीय प्राथमिक शाला चंदखुरीभाटा, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला ननकटी, शासकीय प्रोन्त प्राथमिक शाला थनौद, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरएमएसए बीरेझर और शासकीय हाई स्कूल गनियारी शामिल हैं। इसी प्रकार धमधा विकासखंड के अंतर्गत कुल 16 स्कूलों में नए निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसकी कुल लागत 69.92 लाख रूपए है। इस ब्लॉक के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला तुमाकला, शासकीय प्राथमिक शाला पेण्ड्रावन, शासकीय प्राथमिक शाला सहगांव, शासकीय प्राथमिक शाला सांकरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एसएसए सांकरा, शासकीय प्राथमिक शाला बीरझापुर, शासकीय प्राथमिक शाला जटागर्रा, शासकीय प्राथमिक शाला दरगांव, शासकीय पूर्व माध्यमिक उन्नत माध्यमिक शाला माटरा, शासकीय हाई स्कूल सिलतरा, शासकीय प्राथमिक शाला मंदिर खिलोरा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एसएसए बिरेझर, शासकीय हाई स्कूल बीरेझर धमधा, शासकीय प्राथमिक शाला देवरीझाल, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरहापुर तथा शासकीय प्राथमिक शाला नरघा शामिल हैं। इसी क्रम में पाटन विकासखंड के अंतर्गत कुल 08 स्कूलों में नवीन शौचालयों की स्वीकृति दी गई है, जिसकी कुल लागत 34.96 रूपए लाख है।

महावीर वार्ड में महापौर मधुसूदन ने किया आंगनबाड़ी भवन का भूमिपूजन

राजनांदगांव। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 37, महावीर वार्ड में प्रस्तावित नवीन आंगनबाड़ी भवन क्रमांक 37/1 का भूमिपूजन महापौर मधुसूदन यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम विशेष रूप से उपस्थित रहे। भूमिपूजन समारोह वार्ड के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि नगर निगम शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं जनकल्याणकारी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी भवन केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि बच्चों के बेहतर पोषण, प्रारंभिक शिक्षा तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास

जरूरत के अनुसार काम कराए जा रहे: पार्षद बैद

कार्यक्रम में पार्षद जैनम बैद ने वार्डवासियों की ओर से विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव एवं नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महावीर वार्ड के विकास के लिए नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं और भविष्य में भी जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सतत प्रयास जारी रहेंगे।

पीएम सूर्यघर योजना: शहरी वार्डों में होगा फोकस, अभियान चलाने बनी प्लानिंग

सेमिनार का आयोजन हुआ, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन हुए शामिल

सौर ऊर्जा से होने वाले को लेकर लोगों को करेंगे जागरूक

राजनांदगांव। नगर निगम में पीएम सूर्यघर योजना को लेकर सेमिनार का आयोजन किया गया. इसमें महापौर मधुसूदन यादव, कलेक्टर जितेंद्र यादव सहित अधिकारी, पार्षद और आमजन मौजूद रहे. केंद्र सरकार की योजना को लेकर प्लानिंग की गई कि आने वाले चार महीनों तक शहरी वार्डों को फोकस कर अभियान चलाया जायेगा. सेमिनार में यह भी बताया गया कि शहर में 4 हजार सौर पैनल लगाए जा चुके हैं. इनमे और बढ़ोतरी करनी हैं. महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण है। जिससे आने वाले वर्षों में जनमानस को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह चुनौतीपूर्ण कार्य है।

जिसे हम सभी को मिलकर पूर्ण करना है। इस योजना के क्रियान्वयन में सभी पार्षद अपना सहयोग देंगे तथा अपने घरों में बिजली बिल से मुक्ति पाने के लिए सोलर पैनल लगाने के साथ ही दूसरों को भी लगाने के लिए प्रेरित करेंगे।

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी इसमें अपना हरसंभव योगदान देंगे। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना वर्तमान एवं भविष्य के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। बिजली बिल से संबंधित लागत इसके माध्यम से कम हो रही है। इस योजना से जो बचत होगी, उसका अन्य योजना में उपयोग किया जा सकेगा। हमारी बचत सरकार के लिए भी बचत है। देश के विकास के प्रति हमारा नजरिया होना चाहिए। सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सब्सिडी देकर जनमानस को लाभान्वित करन के लिए प्रेरित कर रही है।

ऐसा है सूर्यघर योजना का लाभ

कलेक्टर ने कहा कि 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने पर सरकार अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए की वित्तीय सहायता देती है। सब्सिडी के बाद शुद्ध ऋण राशि 81 हजार रूपए होगी। जिसे लगभग 890 रूपए प्रतिमाह किस्त लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से भुगतान किया जा सकता है। इसी तरह 1 किलो वॉट, 2 किलो वॉट का भी सोलर पैनल लगवा सकते हैं। आसान तरीके से अपने घरों में अच्छी गुणवत्ता के सोलर पैनल लगाएं तथा बिजली बिल से मुक्ति पाएं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैंक, विद्युत विभाग एवं नगर निगम की टीम समन्वित तरीके से कार्य करेगी। अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर भी जनमानस को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि राजनांदगांव जिले में ऊर्जा के क्षेत्र में कीर्तिमान रचना है और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे कदम बढ़ाना है।

बोरतलाव की डबरी में डूबने से गई थी जान, मिट्टी-मुरूम के लिए खोदा गड्ढा, यह सामने आया

तीन बच्चों की मौत पर पुलिस-रेलवे आमने-सामने, एफआईआर हुई, रेलवे ने कहा हमारा या ठेकेदार का लेनादेना नहीं

रेलवे प्रशासन ने भी लिखित में दिया अपना स्पष्टीकरण, जांच सच आएगा सामने

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम बोरतलाव में तीन बच्चों की डूबने से मौत के मामले में पुलिस ने ठेकेदार व अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर कर ली है। वहीं रेलवे प्रशासन ने भी अपना स्पष्टीकरण दिया है, जिसमें जिस स्थान पर घटना हुई वहां से रेलवे या उसके किसी ठेकेदार का संबंध नहीं है। अब पुलिस विभाग और रेलवे प्रशासन इस मामले में आमने-सामने हो गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच मे यह सामने आया कि तीसरी रेल लाइन निर्माण के दौरान ठेकेदार ने मिट्टी-मुरूम के लिए खनन किया था। लेकिन उसका भरान नहीं किया। इस कारण वह डबरी में तब्दील हो गया। इस कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद ही ग्रामीणों का आक्रोश उपजा और उन्होंने सीधे पूरी कहानी बतानी शुरू कर दी कि यह तालाब नहीं है। बल्कि खनन के बाद समतलीकरण नहीं करने से पानी का भराव हो गया है। हालांकि पुलिस ने ग्रामीणों के बयान के बाद यह कार्रवाई की है। अभी यह सामने आना बाकी है कि किस ठेकेदार ने यहां रेलवे का काम किया। इसके अलावा जिसकी जमीन पर खनन हुआ, उसका आधार क्या है और पूरे प्रकरण में किसी क्या जिम्मेदारी है। यह जांच में सामने आ पाएगा। एएसपी कीर्तन राठौर ने कहा कि मामले में प्रथम दृष्टया मामला कायम किया गया है, जांच के बाद और भी चीजें सामने आएंगी। बाक्स ऐसा है पूरा मामला ग्राम बोरतलाव में रहने वाले कृष मंडावी, दानेश मंडावी और सार्थक कोकटे (तीनों की उम्र 5-6 साल) 15 जुलाई को स्कूल गए। वहां से लौटते समय वह डबरी में नहाने चले गए, जहां उनकी डूबने से मौत हुई। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर उनकी तलाश की गई। तभी डबरी के पास तीनों के कपड़े मिले। इसके बाद शक गहरा गया और डबरी में उनकी खोजबीन की गई। इसमें तीनों के शव बरामद हुए। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू की। इसके बाद अब इस पर एफआईआर दर्ज की गई है। बाक्स कई जगहों पर बन चुकी ऐसी ही डबरी स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी तरह कई स्थानों पर मिट्टी-मुरूम के लिए खनन किया गया।लेकिन उसका भराव नहीं किया।खासकर बारिश के दिनों में जलभराव से ऐसे स्थान डबरी में तब्दील हो जाते हैं और हादसे का खतरा बना रहता है। जैसा कि ग्राम बोरतलाव में हुआ। इस कारण रेलवे और खनिज विभाग दोनों को ही इस पर गौर करना चाहिए। साथ ही ऐसी लापरवाही पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सेवा सेतु से विवाह प्रमाण पत्र में नाम संशोधन हुआ आसान, सुकेश सागर को मिली बड़ी राहत

दुर्ग। सेवा सेतु केन्द्र नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करा रहा है। इसका लाभ नगर निगम भिलाई निवासी सुकेश सागर को भी मिला। सुकेश सागर के विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र में उनका नाम गलती से सुकेश डागर दर्ज हो गया था। नाम में इस त्रुटि के कारण उन्हें विभिन्न शासकीय एवं व्यक्तिगत कार्यों में लगातार असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। सीमित आय के साथ छोटा-मोटा रोजगार कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले सागर के लिए प्रमाण पत्र में नाम का संशोधन कराना अत्यंत आवश्यक था। उन्होंने 7 जुलाई 2026 को सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र में नाम संशोधन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद उसी दिन उनका संशोधित विवाह प्रमाण पत्र स्वीकृत कर जारी कर दिया गया। संशोधित प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर सुकेश सागर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से पूरी प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। उन्हें किसी भी कार्यालय के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़े और समय पर संशोधित प्रमाण पत्र मिल गया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा जिला प्रशासन की जनहितैषी पहल सेवा सेतु की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com